WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

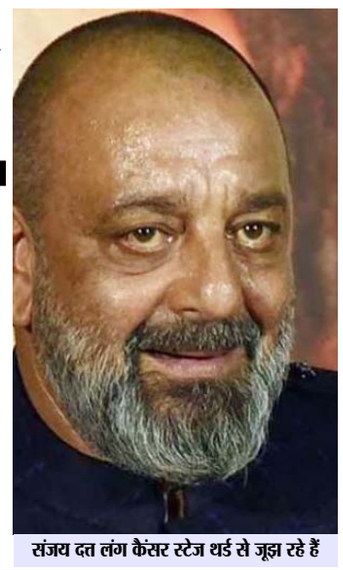

संजय दत लंग कैंसर स्टेज थर्ड से जूझ रहे हैं

वर्षः 01 अंक : 234 | लखनऊ, गुरुवार, 13 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

दिल्ली में कोरोना मामलों में वृद्धि

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के 1,113 नये मामले आने से महामारी को लेकर चिंता फिर बढ़ गयी है लेकिन राहत की बात यह है कि बुधवार को मरीजों के स्वस्थ होने की दर में भी आंशिक सुधार दर्ज किया गया। दिल्ली स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 1,113 नये मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 1,48,504 पर पहुंच गई। सोमवार को केवल 707 नये मामले दर्ज किये गये लेकिन मंगलवार इनकी संख्या बढ़कर 1,257 हो गयी थी। इस दौरान 1,021 मरीजों के स्वस्थ होने

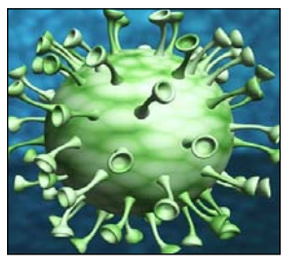

से कोरोना वायरस को मात देने वालों का कुल आंकड़ा 1,33,405 हो गया। देश में दिल्ली का स्थान रिकवरी वाले सर्वाधिक राज्यों में है और राहत की बात यह है कि इस दौरान रिकवरी दर में आंशिक वृद्धि दर्ज की गयी। दिल्ली की रिकवरी दर सोमवार को बढ़कर 90.09 प्रतिशत हो गई थी जो मंगलवार को घटकर 89.81 प्रतिशत पर आ गयी लेकिन आज इसमें आंशिक सुधार के साथ 89.83 फीसदी पर आ गयी। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या आज 14 रही और राजधानी में यह जानलेवा वायरस अब तक 4,153 की जान ले चुका है। राजधानी में निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या आज 30 बढ़कर 523 हो गई। दिल्ली में सक्रिय मामले भी गत दिवस के 10,868 से 78 बढ़कर आज 10,946 रह गये। कुल सक्रिय मामलों में से 5598 होम आइसोलेशन में हैं। राजधानी के विभिन्न अस्पतालों के

रिकवरी दर में सुधार

13,963 बेड में से 10,612 खाली हैं और 3351 कोरोना मरीजों का उपचार अस्पतालों में चल रहा है। पिछले 24 घंटों में केवल 18,894 लोगों की कोरोना वायरस की जांच हुई। राजधानी में कोरोना के 12,42,739 नमूनों की अब तक जांच हो चुकी हैं और 10 लाख की आबादी पर जांच का औसत 65 हजार से अधिक 65,407 हो गया है।

अयोध्या में शुरू हुआ राम मंदिर का निर्माण

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निमार्ण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है. इसकी जानकारी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने ट्वीट कर दी है. गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच अगस्त को भूमि पूजन कर चांदी की ईंट और चांदी के फावड़े से 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी थी. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने ट्वीट किया, जय श्री राम! प्रभु श्रीराम की पावन जन्मभूमि पर उनके भव्य और दिव्य मन्दिर के निर्माण का कार्य माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा भूमिपूजन पश्चात प्रारम्भ हो गया है. इत्तेफाक से पिछले साल पांच अगस्त के दिन ही भाजपा सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त कर विचारधारा से जुड़े अपने एक अन्य प्रमुख वादे को पूरा किया था. दशकों तक हिन्दू-मुस्लिम समुदायों के बीच विवाद का केंद्र रहे श्री राम जन्मभूमि स्थल पर जब मोदी पूजा-अर्चना कर रहे थे, उस वक्त देशभर के लोग अपने घरों में टेलीविजन से चिपके रहे।

मोदी आज पारदर्शी कराधान-ईमानदार का सम्मान प्लेटफॉर्म करेंगे लॉन्च करेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'पारदर्शी कराधान-ईमानदार का सम्मान' के लिए प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री 'पारदर्शी कराधान-ईमानदार का सम्मान' के लिए जो प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे वह प्रत्यक्ष कर सुधारों को और आगे ले जाने में मददगार होगा। आयकर विभाग के अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न वाणिज्य मंडलों, व्यापार संघों एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट संघों के साथ-साथ प्रमुख करदाता भी इस कार्यक्रम के साक्षी होंगे। वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने हाल के वर्षों में प्रत्यक्ष करों में कई प्रमुख कर सुधार लागू किए हैं। पिछले वर्ष कॉरपोरेट कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया गया एवं नई विनिर्माण इकाइयों के लिए इस दर को और भी अधिक घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। 'लाभांश वितरण कर' को भी हटा दिया गया। कर सुधारों के तहत कर की दरों में कमी करने और प्रत्यक्ष कर कानूनों के सरलीकरण पर फोकस रहा है। आयकर विभाग के कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए सीबीडीटी द्वारा कई पहल की गई हैं। हाल ही में शुरू की गई 'दस्तावेज पहचान संख्या (डिन) के जरिए आधिकारिक संचार में अधिक पारदर्शिता लाना भी इन पहलों में शामिल है जिसके तहत विभाग के हर संचार या पत्र-व्यवहार पर कंप्यूटर सृजित एक अनूठी दस्तावेज पहचान संख्या अंकित होती है। इसी तरह करदाताओं के लिए अनुपालन को ज्यादा आसान करने के लिए आयकर विभाग अब 'पहले से ही भरे हुए आयकर रिटर्न फॉर्म' प्रस्तुत करने लगा है, ताकि व्यक्तिगत करदाताओं के लिए अनुपालन को और भी अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके। इसी तरह स्टार्ट-अप के लिए भी अनुपालन मानदंडों को सरल बना दिया गया है।लंबित कर विवादों का समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से आयकर विभाग ने प्रत्यक्ष कर 'विवाद से विश्वास 2020' भी लेकर आया है।

युवाओं को इतिहास के यथार्थ से परिचित कराने की आवश्यकता

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने इतिहास के सम्पूर्ण प्रामाणिक यथार्थ को समग्रता में प्रकाश में लाने की आवश्यकता बल देते हुए बुधवार को कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के क्रान्तिकारियों के अमर बलिदानों को स्कूली पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाना चाहिए। श्री नायडू ने यहां अपने उपराष्ट्रपति निवास पर आयोजित समारोह में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आई एन ए ट्रस्ट के सहायक सदस्य डॉ कल्याण कुमार डे की पुस्तक 'नेताजी इंडियाज इंडिपेंडेंस एण्ड ब्रिटिश आर्काइव्स' का लोकार्पण करते हुए कहा कि पुस्तक में स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान नेताजी की महत्वपूर्ण भूमिका से सम्बन्धित प्रमाणिक दस्तावेजों का संकलन है जिससे युवा पीढ़ी को परिचित होना चाहिए। उन्होंने कहा देश के विभिन्न क्षेत्रों के क्रान्तिकारियों के अमर बलिदान की घटनाओं को स्कूली पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे स्वाधीनता आंदोलन के दौरान नेताजी का साहसी और ओजस्वी नेतृत्व युवाओं के लिए अनुकरणीय प्रेरणा का स्रोत था। उन्होंने कहा कि पुस्तक में शामिल दस्तावेजों से प्रमाणित होता है कि नेता जी के आजाद हिन्द फौज के गठन तथा जनता में उसकी बढ़ती लोकप्रियता से अंग्रेज़ घबरा गए थे और भारत की स्वतंत्रता में इसकी एक महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वाराणसी में श्मशान घाट से पुलिस ने कब्जे में लिया शव

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में नेवढ़िया क्षेत्र के दोदापुर गांव में सोमवार की रात संदिग्ध हालात में युवक की मौत के बाद अंतिम संस्कार करने जा रहे परिजनों को पुलिस ने रोक दिया। पत्नी की शिकायत पर आधी रात को पुलिस श्मशान घाट से शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पत्नी का आरोप है कि घरवालों ने उसके पति की हत्या की है। पुलिस ने आज यहां कहा कि नेवढ़िया थाना क्षेत्र के दोदापुर गांव निवासी विनय मिश्र का शव सोमवार की रात फंदे पर लटकता पाया गया था। इसके कुछ ही देर बाद परिजन मायके में रह रही पत्नी को सूचना दिए बिना शव को अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी ले गए। मणिकर्णिका घाट पर चिता सजाई जा रही थी तभी किसी तरह सूचना पाकर भदोही के सरोई से ससुराल पक्ष के लोग भी वहां पहुंच गए। पत्नी प्रतिमा ने पुलिस को सूचना दी।

पुलवामा में मुठभेड़, हिज्बुल कमांडर ढेर, जवान शहीद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बुधवार तड़के घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान हुई भीषण मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहीद्दीन का एक शीर्ष कमांडर मारा गया तथा एक सैनिक शहीद हो गया और एक अन्य जवान घायल हो गया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता राजेश कालिया ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने मंगलवार देर शाम पुलवामा के कमराजीपोरा में संयुक्त घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गांव से आवागमन के सभी मार्गों को बंद करने के बाद लक्षित इलाके की ओर बढ़ना शुरू किया, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने जवानों पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसकी चपेट में आकर एक सैनिक घायल हो गया। घायल सैनिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गयी। सुरक्षा बलों ने रात में पूरे इलाके को घेर लिया था और आतंकवादियों के भाग निकलने के सभी रास्तों को बंद कर दिया था और आस पास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। आज सुबह दिन निकलते ही सुरक्षा बलों ने दोबारा अभियान शुरू किया और इस कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया।

बिहार, असम और उत्तर प्रदेश में एक दिन में कोरोना के सर्वाधिक सक्रिय मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। बिहार, असम और उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस महामारी के सक्रिय मामलों में एक दिन में सबसे अधिक क्रमशरू 1220, 1178 और 1120 की वृद्धि सामने आयी है जिससे इन राज्यों में सक्रिय मामले बढ़कर 29291, 19178 और 48998 हो गये हैं। देशभर में कुल सक्रिय मामले 6,43,948 हैं1 केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में सर्वाधिक 60,963 संक्रमण के मामले आने से संक्रमितों की संख्या 23,29,639 हो गयी है। पिछले 24 घंटों के दौरान 834 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 46,091 पर पहुंच गयी है तथा 56,110 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 16,39,600 हो गयी है।

त्रिपुरा में बीएसएफजवानों और ग्रामीणों के बीच संघर्ष के बाद तनाव की स्थिति

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के धर्मनगर शहर में कदमताला के इचइरापार इलाके में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और ग्रामीणों के बीच संघर्ष के दूसरे दिन बुधवार को भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। भारत-बंगलादेश की सीमा से लगे इस क्षेत्र में ग्रामीणों ने सीमा पर तैनात एक बीएसएफजवान पर एक महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। बीएसएफ ने इस आरोप को खारिज करते हुये कहा है कि जवानों ने सीमा से लगे क्षेत्र में लोगों की एक संदिग्ध गतिविधि को विफल कर दिया है।दोनों पक्षों ने पुलिस में अपनी-अपनी तरफ से प्राथिमिकी दर्ज कराई है लेकिन अभी तक मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार इस बीच बीएसएफ के अधिकारियों ने जवान पर लगे आरोपों की आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

जांच में उत्कृष्टता के लिए 121 पुलिसकर्मी गृह मंत्री के पदक से सम्मानित

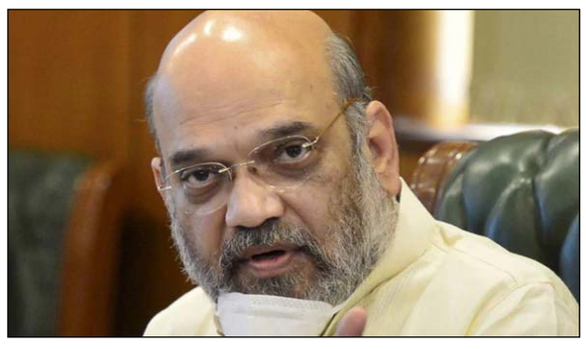

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि किसी भी मामले की विस्तृत जांच पीड़ित को न्याय दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाती है। विभिन्न राज्यों और केन्द्रीय एजेन्सियों की 21 महिला पुलिसकर्मियों सहित कुल 121 पुलिसकर्मियों को आज वर्ष 2020 के लिए 'जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री के पदक' से सम्मानित किया गया। श्री शाह ने इन पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए ट्विटर पर कहा कि देश को इन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि विस्तृत जांच न्याय दिलाने में भूमिका निभाती है। मैं यह सम्मान पाने वाले सभी पुलिसकर्मियों को बधाई देता हूं। यह हमारे पुलिसकर्मियों की उल्लेखनीय सेवा और प्रतिबद्धता की पहचान है। भारत को इन पर गर्व है। इस पदक की शुरुआत वर्ष 2018 में की गई थी जिसका उद्देश्य अपराध की जांच के उच्च पेशेवर मानकों को बढ़ावा देना और जांच अधिकारियों द्वारा जांच में इस तरह की उत्कृष्टता की पहचान करना है। ये पुरस्कारों पाने वाले पुलिसकर्मियों में से 15 केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), दस-दस मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र पुलिस के, आठ उत्तर प्रदेश पुलिस के और सात-सात केरल व पश्चिम बंगाल पुलिस के हैं। शेष पुलिस कर्मी अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हैं। इनमें इक्कीस 21 महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं।

योगी ने गोरखनाथ मंदिर में भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में वैदिक मंत्र, सोहर और कृष्ण भजन के बीच जन्माष्टमी का त्योहार मनाया। बुधवार सुबह योगी आदित्यनाथ ने गुरू गोरखनाथ, महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवैद्यनाथ का आर्शीवाद लेने के बाद मंदिर परिसर में स्थित गोशाला में कुछ समय बिताया। मंदिर के पुजारी द्वारका तिवारी ने बताया कि मंगलवार की आधी रात को योगी ने बाल कृष्ण (नंद गोपाल) की मूर्ति को झूले में रखा। भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बाद करीब आधे घंटे तक भजन गाये गये। इसके बाद योगी, मुख्य पुजारी कमलनाथ, मुख्य पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी सहित अन्य लोगों ने पूजा अर्चना की। तिवारी ने बताया कि भजन का कार्यक्रम रात आठ बजे से आरंभ हो गया था।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव त्यागी का निधन

टीवी डिबेट के बाद कार्डियक अरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता राजीव त्यागी का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम एक टीवी डिबेट में हिस्सा लेने के बाद उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें तबीयत बिगड़ने पर गाजियाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ ही देर बाद उनका निधन हो गया। कांग्रेस के सचिव (संचार) डॉ विनीत पूनिया ने उनके निधन की जानकारी दी। सूचना पाकर पर बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी शोक प्रकट किया है। त्यागी ने बुधवार शाम करीब पौने चार बजे अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया था। निधन की जानकारी देते हुए डॉ पूनिया ने ट्वीट किया, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री राजीव त्यागी जी नहीं रहे। उनके परिवारजनों और प्रशंसकों को मेरी हार्दिक संवेदना।÷ बीजेपी नेता संबित पात्रा ने लिखा कि विश्वास नहीं हो रहा है कांग्रेस के प्रवक्ता मेरे मित्र श्री राजीव त्यागी हमारे साथ नहीं है। आज 5 बजे हम दोनो ने साथ में डिबेट भी किया था। जीवन बहुत ही अनिश्चित है ...अभी भी शब्द नहीं मिल रहे। हे गोविंद राजीव जी को अपने श्री चरणो में स्थान देना। राजीव त्यागी को टीवी जगत में खुलकर अपनी बात रखने के लिए जाना जाता था। बीजेपी के संबित पात्रा के साथ उनकी कई बहसें बेहद तीखी नोंक-झोंक में बदल जाती थीं। वह तथ्यपरक बातें रखने के साथ-साथ अनूठे अंदाज में कांग्रेस का पक्ष रखने के लिए भी मशहूर थे।

सऊदी से माफी मांगने जाएंगे बाजवा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के बयानों से भड़के सऊदी अरब को मनाने के लिए अब पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा रियाद का दौरा करने वाले हैं। बाजवा की यात्रा के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दोनों देशों में तल्खी इस कदर बढ़ गई है कि सऊदी सरकार ने पाकिस्तान के साथ 6.2 बिलियन डॉलर की फाइनेंशियल डील को रद्द कर दिया है और उधार तेल-गैस देने पर भी रोक लगा दी है। पाक आर्मी चीफ ने सोमवार को इस्लामाबाद में सऊदी अरब के राजदूत एडमिरल नवाफ बिन सईद अल-मलिकी से मुलाकात की। जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि इस मुलाकात के दौरान पारस्परिक हित, क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के मामलों पर चर्चा की गई। इस बैठक को लेकर यह नहीं बताया गया कि क्या कुरैशी के बयान को लेकर बाजवा और सऊदी राजदूत में कोई बात हुई कि नहीं। पाकिस्तान में भी कुरैशी के बयान की सार्वजनिक निंदा की जा रही है। नौबत यहां तक आ गई है कि कुरैशी को मीडिया से भागना पड़ रहा है। वहीं, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कुरैशी के बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उनका बयान देश के लोगों की ओआईसी से कश्मीर के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की इच्छा और आकांक्षा को दर्शाता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता आइशा फारुकी ने कहा कि देश के लोगों की ओआईसी से काफी अपेक्षा है। वे चाहते हैं कि ओआईसी कश्मीर के मुद्दे को दुनियाभर में उठाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में हमारा प्रयास आगे भी जारी रहेगा। कुरैशी ने कहा था कि सऊदी (ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन) में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत के खिलाफ खड़ा नहीं होने दे रहा है।

बीते 24 घंटों में अधिकांश जगहों पर सक्रिय रहा मानसून

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान अधिकांश जगहों पर मानसून सक्रिय रहा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में अधिकतर स्थानों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि सबसे अधिक 22 सेंटीमीटर बारिश एल्गिनब्रिज-बाराबंकी में रिकार्ड की गयी। सोरांव-प्रयागराज में 17 सेंटीमीटर, सिधौली-सीतापुर में 12, सलेमपुर-देवरिया और वाराणसी में दस दस, आजमगढ़ और भाटपुरवाघाट-सीतापुर में नौ नौ, चुनार-मीरजापुर, सुल्तानपुर, लखनऊ, हमीरपुर में आठ-आठ तथा अयोध्या, हैदरगढ़-बाराबंकी में सात-सात सेंटीमीटर पानी बरसा। विभाग ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को सर्वाधिक 38 डिग्री सेल्सियस तापमान बस्ती में रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बृहस्पतिवार को राज्य में कहीं-कहीं मूसलाधार बारिश होने का अनुमान है।

बेंगलुरु में हिंसा

कांग्रेस एमएलए के घर तोड़फोड़-आगजनी 3 की मौत व 60 पुलिसकर्मी घायल

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस विधायक के एक कथित रिश्तेदार द्वारा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किए जाने के बाद हुई हिंसा को काबू करने के लिए पुलिस की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई। हालात पर काबू पाने के लिए बेंगलुरु में धारा 144 लगा दी गई है, जबकि हिंसा वाले इलाके में कर्फ्यू लगा है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त कमल पंत ने कहा कि पुलिस की गोलीबारी में तीन लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु के पुलाकेशी नगर में हुई हिंसा के मामले में 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार रात शुरू हुई यह हिंसा बुधवार तड़के तक जारी रही। इस दौरान 60 पुलिस कर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए। मंगलवार रात आक्रोशित भीड़ ने एक थाने और कांग्रेस विधायक के आवास में तोड़फोड़ की थी, जिसके बाद सरकार ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि दंगों और कानून एवं व्यवस्था में उल्लंघन के मामलों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंत ने बताया कि कथित सोशल मीडिया पोस्ट डालने वाले नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने शांति बनाए रखने की भी अपील की। पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में लोग विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के आवास के निकट जमा हुए और तोड़फोड़ की तथा वहां खड़े वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद भीड़ ने यह सोचकर थाने को निशाना बनाया कि पुलिस ने आरोपी को वहां हिरासत में रखा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हिंसा को रोकने की कोशिश कर रहीं पुलिस टीमों के वाहनों को भी भीड़ ने क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि खुद को विधायक का रिश्तेदार बताने वाले आरोपी ने कथित रूप से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिससे एक समुदाय के लोग भड़क उठे। विधायक ने समुदाय के लोगों से हिंसा नहीं करने की अपील की।

योगी सरकार द्वारा प्रस्तावित नयी विद्युत दरें आपदा काल की मार झेल रही जनता पर और बोझ बढ़ाएगीः लल्लू

खराब कानून व्यवस्था की मार झेल रही जनता, पर आर्थिक बोझ डाल रही है योगी सरकार- अजय कुमार लल्लू

कोरोना अवधि के लिए आम उपभोक्ताओं का बिजली बिल माफ होना चाहिए- अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सरकार द्वारा प्रस्तावित नयी विद्युत दरो के प्रस्ताव को आम जानता के साथ धोखा करार देते हुए इस कदम को प्रदेश की जनता बोझ बढ़ाने वाला कदम बताया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि योगी सरकार राज्य के लोगों को इस आपदकाल में भी कोई राहत प्रदान करने नहीं जा रही है। योगी सरकार बिजली की दर बढ़ाकर आम जनता पर और मुसीबतें बढ़ाने का काम करने जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने अपने बयान में कहा कि योगी राज में प्रदेश की जनता ध्वस्त हो चली कानून व्यवस्था और कोरोना महामारी से पीड़ित थी । ऐसे में बिजली दरो को बढ़ाये जाने से उसकी आर्थिक कमर टूट जाएगी । उन्होंने ने योगी सरकार से मांग की, कि आम उपभोक्ताओं को राहत के वास्ते सरकार को कोरोना काल का बिजली बिल माफ़ करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की सिफारिशों पर यूपी इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलरिटी अथॉरिटी को ध्यान देना चाहिए, जो बढ़ी बिजली दरो को कम किये जाने की सिफारिश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि योगी सरकार कार्पोरेट घरानों और बिजली कंपनी की हाथो की कठपुतली बन चुकी है । उन्होंने योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ध्वस्त कानून व्यवस्था, गुंडों, कोरोना और बाढ़ से पीड़ित चल रही है । सरकार उसपर ध्यान नहीं दे रही है । योगी सरकार को नींद से जागना चाहिए और लोगों की सेवा करनी चाहिए, जो ध्वस्त हो गयी प्रशासनिक व्यवस्था के कारण भीतर से हिल गयी है।

300 असिस्टेंट कमिश्नरों के तबादले की गुपचुप तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना काल में अधिकारियों के स्थानांतरण पर केन्द्र-राज्य सरकार की रोक के बावजूद उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग में गुपचुप ढंग से बड़े पैमाने पर सचल दल के असिस्टेंट कमिश्नरों के स्थानांतरण की तैयारी चल रही है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यालय से लेकर शासन तक चल रही इस गोपनीय कवायद की भनक लगते ही कर्मचारियों व अधिकारियों में नाराजगी उत्पन्न हो गयी है। कर्मचारियों का कहना है कि ऐसी क्या बाध्यता आ गई कि कोरोना संकट के बीच वाणिज्य कर विभाग के मात्र सचल दल के 300 असिस्टेंट कमिश्नरों का तबादला किया जा रहा है।
कर्मचारियों का कहना है कि यदि इन अधिकारियों का तबादला 3 वर्ष का सत्र पूर्ण कर लेने के आधार पर किया जा रहा है तो फिर वि.अनु.शा. में 3 वर्ष से तैनात डिप्टी कमिश्नरों व ज्वाइंट कमिश्नरों पर क्यों नहीं लागू किया जा रहा है? सूत्रों के अनुसार सूत्री में करीब 50 अधिकारियों के नाम हैं, जिन्हें जिले से बाहर स्थानांतरित किए जाने की कवायद चल रही है। यह सभी अधिकारी लखनऊ में अपने कार्यकाल के 3 वर्ष पूरे कर चुके हैं। सूत्रों के अनुसार स्थानांतकरण पर रोक संबंधी मुख्य सचिव के आदेश के बाद यह अधिकारी निश्चिंत हो गए थे और वर्तमान तैनाती स्थल पर ही अपने बच्चों के एडमिशन भी स्कूलों में करवा चुके हैं। अब यदि इनका तबादला हुआ तो वहां फिर से बच्चों का नए स्कूल में दाखिल कराना होगा। जबकि यह सभी फिलहाल अपने बच्चों की मोटी फीस भी भर चुके हैं। स्थानांतकरण होने की स्थिति में इन अधिकारियों के सामने दुविधा होगी कि अपने परिवार को नई तैनाती वाले जनपद लेकर जाएं या फिर यहीं छोड़ जाएं। कर्मचारियों का कहना है कि प्रशासन व पुलिस के अधकारियों को तो उनके तैनाती वाले जनपदों में निवास की सुविधा मिलती है लेकिन वाणिज्य कर के अधिकारियों को निवास की भी कोई व्यवस्था नहीं होती। ऐसे में इन अधिकारियों को नए तैनाती स्थल पर किराए का मकान या कमरा मिलने में भी परेशानी होगी। लेकिन कोरोना संकट के चलते इस बार मानसून सत्र भी घटाकर तीन का कर दिया गया है। लेकिन एक साथ करीब 300 अधिकारियों व उनके परिवार को तबादला करने में शासन-प्रशासन को कोई संकोच नहीं हो रहा है। स्थानांतरण के दौरान यदि यह अधिकारी या इनके परिवार महामारी की चपेट में आ गए तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?
कर्मचारियों ने बताया कि जनपद के तमाम कोरोना संवेदशील स्थानों पर सचल दल के अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी है।

स्वतन्त्रता दिवस पर संविधान की रक्षा और आजादी को सुद्रढ़ बनाने का संकल्प लेंगे वामदल

1 सितंबर को भारत को अमेरिका का पिछलग्गू ना बनाओ, दिवस का आयोजन किया जायेगा

लखनऊ, संवाददाता। वामपंथी दलों ने 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस को 'संविधान की रक्षा और भारत की आजादी को सुद्रढ़ करने के संकल्प दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान किया है। साथ ही 1 सितंबर को 'भारत को अमेरिका का पिछलग्गू बनाने के प्रयासों पर विरोध दिवस' आयोजित करने का निश्चय किया है। उपर्युक्त जानकारी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने एक प्रेस बयान में दी। वामदलों का आरोप है कि कोविड-19 एवं राष्ट्रव्यापी लाकडाउन के दौर में जब भाजपा की केन्द्र सरकार को महामारी से निपटने में अपना पूरा ध्यान केन्द्रित कर जनता को राहत देनी चाहिये, ऐसे समय में आरएसएस के नेत्रत्व वाली केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार आक्रामक तौर पर भारतीय संविधान के सिध्दांतों को नष्ट करने पर उतारू है। इसके साथ ही सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को धार देने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं। संविधान के प्रत्येक संस्थानों एवं प्राधिकरणों,संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग, सीबीआई, ईडी आदि को सीमित करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं तथा जनतान्त्रिक अधिकारों एवं नागरिक आजादी पर तीखे हमले किये जा रहे हैं। सरकार विरोधी हर आवाज को राष्ट्रद्रोह की संज्ञा दी जा रही है। आम नागरिकों के साथ ही बुद्धिजीवी राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को राजद्रोह की धाराओं में जेल भेजा जा रहा है। हमारे संविधान की बुनियादी विशेषता संघवाद है, जिसके सिद्धांतों को नकारते हुये सभी शक्तियों को केन्द्र सरकार में केन्द्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जनता को एकजुट हो कर संविधान की रक्षा और अपनी स्वतन्त्रता को सुद्रढ़ करने के लिए आवाज उठाना जरूरी हो गया है। स्वतन्त्रता दिवस पर हम सबको इसकी शपथ लेनी है। केन्द्र की भाजपा सरकार दुनियाँ पर बादशाहत कायम करने की अमेरिकी ख्वाहिशों को पूरा करने के लिये उसका हर तरह से सहयोग कर रही है। यह सब हमारे देश और देश की जनता के हित में नहीं है। भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहना चाहिये। अमेरिका या अमेरिकी-इस्त्रायल गठजोड़ के पक्ष में विदेश नीति हमारी संप्रभुता और आत्मनिर्भर्ता को कमजोर करेगी। अतएव 1 सितंबर को भारत को अमेरिका का पिछलग्गू बनाने का विरोध किया जायेगा। भाकपा राज्य सचिव मण्डल ने उत्तर प्रदेश के जनमानस से अपील की है कि वे वामपंथी दलों के उपर्युक्त केन्द्रीय आह्वानों को देश और जनता के हित में अमलीभूत करें।

गुरूगोविन्द सिह मार्ग स्थित गौर राधा मंदिन्द मे सजी राधा कृष्ण की झाँकी का दृष्य।

योगी ने यमुना एक्सप्रेस-वे सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के निर्देश भी दिए हैं। माट थाना इलाके में यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार की सुबह एक भीषण सड़क हो गया। यमुना एक्सप्रेसवे स्थित माइलस्टोन 106 के समीप खड़ी बस में एक तेज रफ्तार कैंटर जा टकराई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही एक्सप्रेसवे का दल और पुलिस मौके पर पहुंच गई तथा बस में सवार घायल लोगों को उसमें से निकाला गया। अस्पताल में भर्ती कराया गया

है। जिनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि यह बस कटिहार (बिहार) से दिल्ली जा रही थी। जैसे ही बस एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 106 के पास पहुंची तो बस का डीजल खत्म हो गया था। जिसकी वजह से बस चालक ने एक्सप्रेसवे के किनारे बस को खड़ा कर दिया। बुधवार सुबह करीब 7.00 बजे एक कैंटर ने पीछे से बस में टक्कर मार दी। यात्रियों में ज्यादातर बिहार के रहने वाले थे। कैंटर आगरा से नोएडा की तरफ जा रहा था। बस में टक्कर लगते ही बस सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर एक्सप्रेसवे का दल और पुलिस मौके पर घायल लोगों को बस से बस निकाला।

मजदूर ने फांसी लगाकर दी जान, परिजनों में मचा हड़कंप

लखनऊ, संवाददाता। विभूतिखण्ड थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह घरेलू विवाद के चलते एक मजदूर ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे लोहिया अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक कोरोना जांच के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक विभूतिखण्ड संजय शुक्ला के मुताबिक विभूतिखण्ड थाना क्षेत्र में कठौता गांव के राकेश राजपूत ने सूचना दी थी, कि उसके भाई महेश राजपूत (25) ने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया है। पुलिस पहुंची तो दरवाजा खुला हुआ था। महेश राजपूत बेहोशी की हालत में कमरे में पड़ा हुआ था। पीआरवी व परिजनों की मदद से उसे लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के मुताबिक मृतक के शव को मर्चरी में रखवा दिया गया है। कोरोना जांच बाद ही पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक विभूतिखण्ड संजय शुक्ला ने बताया कि महेश सरिया बांधने का काम करता था। पति-पत्नी के विवाद का भी मामला सामने आया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अभी और होगी बारिश

लखनऊ, संवाददाता। बुधवार को दिनभर जो बारिश हुई उसने यूपी के कई जिलों में तापमान गिरा दिया। लखनऊ में बुधवार दोपहर से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही थी, लेकिन शाम होते ही वह तेज हो गई। उसके बाद उसने रुकने का नाम नहीं लिया। बुधवार को भी लखनऊ समेत कई जिलों में काले बादलों से घिरे रहे व बीच-बीच में बरसे भी। मौसम विभाग ने इसको लेकर अनुमान जारी किया है। जिसमें आज शाम और कल गुरुवार को भारी बारिश के लिए भविष्यवाणी की गई है। इसके मुताबिक, 12 अगस्त को बारिश का ज्यादा जोर पूर्वांचल, तराई और मध्य यूपी के जिलों में रहेगा। हालांकि, ब्रज क्षेत्र के जिले भी इसमें शामिल हैं, जहां बुधवार को बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक दोपहर व रात तक बनारस, अंबेडकरनगर, बस्ती, अयोध्या, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, सुल्तानपुर, अमेठी, प्रयागराज, रायबरेली, फतेहपुर, सुल्तानपुर, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, प्रतापगढ़, लखनऊ,

मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, आगरा, मेरठ, कानपुर, औरैया, कन्नौज, बिजनौर व मुरादाबाद जैसे जिलों में बारिश की संभावना है। लखनऊ और आसपास के जिलों में भी बारिश जारी रहेगी। यह सिलसिला 13 अगस्त तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने जैसा अनुमान जताया मंगलवार का कुछ वैसे ही हुई। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश हुई। सर्वाधिक ज्यादा बारिश हमीरपुर में (71 मिलीमीटर) हुई। वहीं, प्रयागराज में 53 मिलीमीटर, शाहजहांपुर में 35 मिलीमीटर, नजीबाबाद व गोरखपुर में करीब 20, उरई में 18 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 12 व 13 अगस्त को प्रदेश के लगभग 20 जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है। इनमें पूर्वी यूपी से लेकर पश्चिमी यूपी तक के जिले शामिल हैं। इन 20 जिलों में से ज्यादातर में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। मॉनसून का जो स्पेल अभी सक्रिय हुआ है इसके 15 अगस्त तक सक्रिय रहने की संभावना है।

गोमतीनगर के आम आदमी कार्यालय मे प्रेस वार्ता करते प्रवक्ता राज्य सभा सांसद संजय सिंह।

प्रियंका ने यूपी में बिजली दर घटाने की मांग को ठहराया उचित

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की तरफ से राज्य सरकार से किसानों तथा आम नागरिकों के हितों के मद्देनजर बिजली दर कम करने की मांग को सही ठहराया है। गांधी ने बुधवार को ट्वीट किया, ''जनता कहती है- उत्तर प्रदेश में बिजली की दरें कम्पनियों के फायदे के लिए बढ़ाई गयी हैं। उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की तरफ से घरेलू फिक्स्ड

चार्ज तथा कमर्शियल न्यूनतम चार्ज खत्म करने और किसानों के लिए बिजली दरों में कमी किए जाने की मांग एकदम जायज है। राज्य सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष तथा राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं की तरफ से अपनी आपत्तियां और जनहित के प्रस्ताव को विद्युत नियामक आयोग अध्यक्ष को सौंपा है और उपभोक्ता हित में उनसे बिजली दरों को कम करने का आग्रह किया है।

छेड़छाड़ मामले में फरार चल रहे दो शातिरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के हसनगंज पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। कई महीनों से फरार चल रहे छेड़खानी के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार चल रहे मुख्य आरोपी जतिन पंडित लम्बे समय से वांछित था। जबकि दूसरा अनुज गुप्ता के खिलाफछेड़खानी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज था। प्रभारी निरीक्षक हसनगंज अमरनाथ वर्मा के मुताबिक मूलरूप से मैगलगंज लखीमपुर खीरी निवासी जतिन पंडित जोकि मोहन मीकिंग रोड रेलवे छत्ता के पास रेलवे लाइन के किनारे झोपड़पट्टी थाना हसनगंज में रहता है। इसके खिलाफछेड़खानी का केस दर्ज था। एसआई नजर इमाम की टीम ने मुखबिर की सूचना पर इन्हें गिरफ्तार किया है। जबकि दूसरे नाबालिग के साथ छेड़खानी के आरोपी अनुज गुप्ता को एसआई राजेन्द्र प्रसाद सिंह की टीम ने गिरफ्तार किया है।

डीजीपी के स्वतंत्रता दिवस प्रशंसा चिन्ह पर प्रश्नचिन्ह

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने डीजीपी द्वारा दिए गए प्रशंसा चिन्ह पर सवाल उठाया है, डीजीपी एच सी अवस्थी को भेजे अपने पत्र में नूतन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जो प्रशंसा चिन्ह दिए गए हैं, उन्हें देखने से साफ होता है कि ये कुछ खास लोगों को ही मनमाने ढंग से उपकृत करने के लिए दिए गए. उन्होंने कहा कि सम्मान पाने वाले ज्यादातर अफसर ऐसे हैं जो महत्वपूर्ण पदों पर तैनात हैं तथा जिनका डीजीपी कार्यालय से सीधा संबंध है. इनमे डीजीपी के मुख्य स्टाफ अफसर रवि लोक्कू, एडीजी कार्मिक दीपेश जुनेजा, सहायक स्टाफ अफसर दुर्गेश कुमार, पीआरओ अभय नाथ त्रिपाठी व डीजीपी कार्यालय के शकीलउज्जमा, अरविन्द मौर्या व राजेंद्र गौतम आदि शामिल हैं। इसी प्रकार गृह विभाग में कार्यरत एस के भगत, आईजी जोन लखनऊ लक्ष्मी सिंह सहित लगभग सभी ऐसे अफसर हैं जो महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त हैं।

मानव मंगल संस्थान ने कृष्ण जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में किया पौधरोपण

फतेहपुर। मानव मंगल संस्थान की अध्यक्ष संगीता द्विवेदी द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में तेलियानी ब्लाक के ग्राम सभा कांधी में पौधरोपण का कार्यक्रम हुआ जिसमें ग्राम संगठन की महिलाओं के साथ मिलकर तुलसी, नीम, आंवला तथा पीपल का वृक्ष रोपण किया गया और संस्थान द्वारा यह संकल्प लिया गया कि पौधों की देखरेख सुरक्षा की जिम्मेदारी संस्थान के लोगों की होगी इसके पहले भी संस्थान द्वारा समय-समय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए जा रहे हैं धरा में हरित क्रांति कैसे लाई जाए यह विचार संस्थान द्वारा चल रहा है आगे भी हम लोग वृक्षारोपण का कार्यक्रम निरंतर करते रहेंगे और लोगों से आग्रह किया कि हर परिवार को कम से कम एक वृक्ष ज र लगाना चाहिए यह हमारे जीवन को शुद्ध वातावरण के साथ-साथ पौधों से कई तरह के लाभ हमें पौधों के द्वारा ही मिलते रहते हैं। इस कार्यक्रम में समूह की महिलाएं श्यामकली, किसनी, मीरा, संध्या, राजकुमारी, राम श्री, ऋषी बाबू आदि लोग उपस्थित रहे!

डाँडा अमौली गांव में शराबी ने नशे में वृद्ध महिला को पीटकर किया घायल

पीड़ित महिला कुसुमा देवी के पुत्र विकास सिंह ने थाने में दी तहरीर

जाफरगंज, फतेहपुर। मामला बीती मंगलवार की शाम का है पीड़ित महिला शाम को अपने मकान के सामने घास छील रही थी, तभी गांव के पवन सिंह पुत्र प्रेम सिंह शराब के नशे में निकला और महिला को गाली देने लगा और मारना-पीटना शुरू कर दिया और महिला को मारते हुए गिरा दिया वही पास में पकंज सिंह पुत्र प्रेम सिंह व प्रेम सिंह पुत्र स्व0 महादेव सिंह यह लोग भी आ गए और गाली गलौज झगड़ा करने लगे मारपीट के दौरान पीड़ित महिला के मुह-नाक में गम्भीर चोट आ गयी जानकारी के मुताबिक पुरानी रंजिश के चलते कई बार इस तरह की घटना आरोपियों द्वारा की जा चुकी है इसी के चलते कल शाम को शराब के नशे में घटना को दोहराया गया घटना की शिकायत पीड़ित महिला के पुत्र विकाश सिंह ने थाने में की पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर पीड़ित महिला कुसुमा देवी को मेडिकल के लिए भेज दिया है थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि जाँच कर आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

पति के खिलाफ प्रताइना की पुलिस को दिया तहरीर

जहानाबाद, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम बसफरा निवासी एक महिला ने बताया की उसका विवाह आठ वर्ष पूर्व बसफरा निवासी राजनरायन के संग हुआ था जो दहेज की माँग को लेकर आये दिन प्रताडित करता रहा बीते दिनों से लगातार मारपीट कर रहा है दहेज की मांग पूरी ना होने पर जान से मार देने की धमकी देता है बताया की अपने माता पिता तथा भाई प्रताइना की सूचना दी जैसे ही मायके से सभी लोग आये तो उसने मारपीट शुरू कर दिया।पीडिता आज अपने मायके पक्ष के साथ थाना जहानाबाद पहुंच पति के खिलाफ तहरीर दी थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष शर्मा ने बताया की अभी जाँच की जा रही हैं, आरोप सही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दबंगो ने दम्पति को पीटा

जहानाबाद, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पूरनपुर में दबंग ने पति पत्नी को पीटा। थाना क्षेत्र के ग्राम पूरनपुर निवासी आरती देवी ने बताया की वह अपने दरवाजे बैठी थी तभी गांव के राहुल, विजय बहादुर, जनकदुलारी, रोशनी गाली गलौज करने लगे द्य गाली गलौज सुनकर पति मुकेश बाहर आ गया और विरोध करने लगा द्य विरोध के चलते उक्त लोगो ने मिलकर उसकी लाठी-डंडों से बुरी तरह पिटाई कर दी द्य पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर घायलों को मेडिकल कराया द्य थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष शर्मा ने बताया की अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है द्य आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

जिला पंचायत सदस्य ने कोविड-19 के प्रति महिलाओ को किया जागरूक,बांटे मास्क

जहानाबाद, फतेहपुर। विधानसभा क्षेत्र अकबरपुर नसीरपुर क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य जयंती देवी वर्मा भाजपा नेत्री ने महिलाओं के बीच पहुंच कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में खुद को सुरक्षित रखने के साथ-साथ समाज को कैसे सुरक्षित रखा जाए इसके लिए जागरुक किया। जागरुक करते हुए उन्हें समय-समय पर हाथों मे साबुन साफ करने के साथ-साथ घरों के आसपास स्वच्छता अधिक से अधिक अपनाने की अपील की खेत खलिहान में कार्य करते समय उचित दूरी का भी प्रयोग करने का उपाय बताया उन्होंने कहा की कोरोना वायरस अब शहरों से निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों पर रुख कर लिया है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों की संख्या पर दिनों दिन बढ़ोतरी हो रहे हैं जिस पर महिलाओं को जागरूक होना अति आवश्यक है उन्होंने कहा अपने बच्चों को सामूहिक रूप से एकत्र होने से बचने हेतु उन्हें प्रेरित करें तथा सामूहिक रूप से किसी भी खेल के आयोजन पर अपने अपने बच्चों को मत भेजे। इस मौके पर उनके साथ दर्जनों महिलाएं मौजूद थी द्य उन्होंने क्षेत्र के कई ग्रामों का भ्रमण किया द्य लोगों की जन समस्याएं सुनकर उन्हें दूरभाष के जरिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए तत्काल निस्तारण की बात कहीं।

धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी

अमौली, फतेहपुर। सनातन धर्म के अनुसार धर्मावलंबियों ने भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव जगह-जगह मनाया। कोविड-19 के चलते सभी मंदिरों के व्यवस्थापकों नें उचित दूरी बनाए रखने की सभी भक्तों से अपील की। अमौली विकासखंड के क्षेत्रों में कई जगह है जहानाबाद चांदपुर देवरी डिघरुवा बुढवां के ऐतिहासिक मंदिरों में जन्माष्टमी मनाई गई। चांदपुर स्थित ठाकुरद्वारा के संरक्षक प्रेम नारायण अवस्थी ने बताया कि प्रतिवर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर अन्य जनपदों से कलाकार आमंत्रित करके रंगारंग कार्यक्रम रखा जाता था लेकिन इस महामारी के कारण सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं। वही बुढवां के ऐतिहासिक लक्ष्मी नारायण मंदिर के आचार्य गंगाधर शुक्ला ने कोविड-19 के चलते सभी भक्तों को उचित दूरी बनाए रखने की अपील की। इसके साथ साथ रात्रि 12 बजे मंदिर प्रांगण में वेद मंत्रों के साथ भगवान श्री कृष्ण का प्राकट्य मनाया गया। कार्यक्रम के समय मंदिर प्रांगण में मास्क एवं सैनिटाइजर की व्यवस्थाएं भी रखी गई ।सभी ग्रामीण भक्तों ने लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर उचित दूरी में खड़े होकर बारी-बारी से प्रसाद ग्रहण किया।

नन्हिहाल आयी युवती को बनाया हवस का शिकार

जाफरगंज, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल आयी किशोरी को बहला फुसला कर गांव के ही अमित उर्फ़ पुत्तीलाल पुत्र फूल सिंह यादव ने दुष्कर्म किया पीड़िता बकेवर थाना के एक गांव की है वह अपने ननिहाल जाफरगंज थाना के सुल्तानगढ़ विगत आठ अगस्त को आयी थी सोमवार रात जब वह दरवाजे पर लेटी थी तभी गांव के अमित ने उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ट्यूबवेल ले गया और नशीला पदार्थ खिला दुष्कर्म किया सुबह जब परिजनों ने देखा की दरवाजे से किशोरी गायब है तो उसकी तलाश शुरू की जानकारी मिलने पर आरोपी के ट्यूबवेल पहुचे, जहाँ किशोरी ने अपने मामा से सारी बात बताई थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मामा की तहरीर पर आरोपी अमित के खिलाफ 363/376 आईपीसी व 3/4 पाक्सो अधिनियम व 3 (2)/5 दलित एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है युवती को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

बाइको की आमने-सामने भिड़ंत महिला समेत चार घायल

जाफरगंज, फतेहपुर। गढ़ी-जाफरगंज मार्ग पर निशा गैस एजेंसी मोड़ के पास दो बाइको में आमने-सामने भिड़ंत हो गयी जिसमे गढ़ी निवासी रईस अहमद (65)अपनी पत्नी नजमा के साथ जाफरगंज बाजार जा रहे थे जैसे ही निशा गैस एजेंसी मोड़ के पास आये भारतपुर गांव निवासी अच्छेलाल निषाद, विनोद निषाद अपनी बाइक से शराब के नशे में तेज रफ्तार में सामने से आ रहे थे और रईस अहमद की गाड़ी में टक्कर मार दी जिससे रईस अहमद और उसकी पत्नी घायल हो गए वही भारतपुर निवासी दोनों बाइक सवार भी घायल हो गए दोनों के पास बियर की बोतलें भी मौजूद थी एक्सीडेंट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा वही बाइक को कब्जे में लिया।

प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री गिरने से गुणवत्ता में उठे सवाल

अमौली, फतेहपुर। विकासखंड अमौली क्षेत्र के ग्राम मानेपुर में प्राथमिक पाठशाला कि 2 माह पूर्व बनी दीवार भरभरा कर गिरने से गुणवत्ता की खुली पोल आपको बता दें इन दिनों प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री वाल का निर्माण शासन द्वारा वृहद रूप से कराया जा रहा है जिसके चलते दो माह पूर्व प्राथमिक पाठशाला मानेपुर में बाउंड्री वाल का निर्माण हुआ था देर शाम जैसे ही बारिश हुई बाउंड्री वाल भरभरा कर गिर गई ग्रामीणों का आरोप है की बाउंड्री वाल के निर्माण पर गुणवत्ता की भारी धांधली हुई है इस संबंध में ग्राम प्रधान अर्चना देवी के पति सुरेश सिंह कुछ भी बताने से कतराते नजर आए।

जिलाधिकारी ने सीएमओ कार्यालय में बने एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का किया औचक निरीक्षण

निरीक्षण में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं उपायुक्त उद्योग के अनुपस्थित पाये जाने पर जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यवाही करने के दिये निर्देश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 रूपेश कुमार ने आज सीएमओ कार्यालय में बने एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रवेश द्वार पर एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के लगे छोटे बैनर को देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि प्रवेश द्वारा पर बड़ा बैनर लगाया जाये जिससे लोगों को कन्ट्रोल सेन्टर के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में शिफ्टवार ड्यिटी लगायी गयी है जिसमें निरीक्षण के दौरान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं उपायुक्त उद्योग बगैर किसी अवकाश के अनुपस्थित पाये गये जिस पर जिलाधिकारी ने इन दोनो अधिकारियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही हेतु पत्र भेजने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि एकीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर पर जो भी कॉल आ रही है उसका रजिस्टर में अंकन किया जायेगा तथा खांसी, जुखाम, बुखार की सूचना प्राप्त होने पर पर सम्बन्धित सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक को सूचना दी जाये जिससे डाक्टर या पैरामेडिकल स्टाफ उस व्यक्ति के घर पर पहुॅचकर जांच कर सके। जिलाधिकारी ने कहा कि कन्ट्रोल सेन्टर पर जो भी अधिकारी/कर्मचारी काल अटेन्ड कर रहा हो वह पूछे गये प्रश्नों का सन्तोषजनक उत्तर दें और रजिस्टर में पूछे गये प्रश्नों का उल्लेख करें और उस पर क्या कार्यवाही की गयी उसको रजिस्टर में अंकन भी किया जाये। यदि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता बरती जायेगी तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) शत्रोहन वैश्य, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

सठिगवा-खजुहा बावनी इमली मार्ग जर्जरता पर बहा रहा आंसू

अमौली, फतेहपुर। विकास खण्ड के ग्राम पारा धनई का लोक निर्माण विभाग रोड जो तिंदवारी (साठीगंवा) से खजुहा बावन इमली मुख्य मार्ग को जोड़ता है सम्पर्क मार्ग बदहाल होने से ग्रामीणों व राहगीरों का परेशानी का सबब बना हुआ है।

यह रोड इतना खराब हो गया है कि ग्रमीणों को पैदल व राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है यह रोड लगभग 200 मीटर तक बहुत खराब है रोजाना 08 से 10 लोग इस दलदल में फंस कर गिरते हैं पीडब्लूडी रोड की हालत इतनी खराब है कि जगह जगह एक-एक फुट के गड्ढे हो गए हैं, लेकिन जलभराव के कारण समझ मे नही आते जिससे राहगीर इसमे फंस कर गिर जाते हैं ! लोगो ने इसकी शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई।

राधा कृष्ण की वायरल वीडियो ने मचाया धूम लोगों ने की तारीफ

प्रयागराज। वैष्णवी और जान्हवी दोनों बच्चियाँ नृत्य कला मे शीघ्र ही प्रयागराज का गौरव बनने वाली हैं। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बहुत ही सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। दोनों बच्चियाँ शहर के प्रतिष्ठित स्कूल बेथनी कॉन्वेन्ट स्कूल नैनी मे चौथी एवं तीसरी कक्षा की छात्रा हैं। इनके यूट्यूब चैनल का नाम डान्स आफ बघेल सिस्टर्स है। बता दें कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में दोनों बच्चियों द्वारा राधा-कृष्ण की वेशभूषा में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सुर्खियां बटोर रही हैं। वायरल वीडियो लोगों द्वारा पसंद किया जा रहा है। राधा कृष्ण की अद्भुत झांकी को देख लोगों ने जमकर तारीफ की। दोनों बहनों के मनमोहक प्रस्तुति से वायरल हो रहे वीडियो से माता-पिता गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

थाना जिगना पुलिस द्वारा छः शातिर अपराधियों का गुण्डा एक्ट में चालान

मिरजापुर। थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत बुधवार को 06 शातिर अभियुक्त जवाहर लाल बिन्द पुत्र केवला प्रसाद बिन्द निवासी दुबहा थाना जिगना मीरजापुर ,सहायी बिन्द पुत्र अमृतलाल बिन्द निवासी दुबहा थाना जिगना मीरजापुर,महेन्द्र यादव पुत्र लक्ष्मीशंकर निवासी कोठार मिश्रान थाना जिगना मीरजापुर,प्रमोद पुत्र विजयशंकर निवासी यादवपुर थाना जिगना मीरजापुर,प्रेमशंकर प्रजापित पुत्र रामनारायण निवासी दुबहा थाना जिगना मीरजापुर, भोलानाथ बिन्द पुत्र रामधारी बिन्द निवासी बौता गणेशगंज थाना जिगना मीरजापुर का चालान अन्तर्गत धारा 3(1) उ0प्र0 गुण्डा अधिनियम के तहत किया गया। ये अपराधी भारतीय दण्ड संहिता में वर्णित विभिन्न धाराओं के अपराध करने के अभ्यस्त थे। जनमानस में इनका भय व आतंक व्याप्त था। अतः अभियुक्तों के विरूद्ध प्रभारी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव थाना जिगना ने बड़ी कार्यवाही करते हुये अन्तर्गत धारा 3(1) गुण्डा अधिनियम में चालान किया।

समय से ड्यूटी न आने पर अधिकारी ने लगाई फटकार, महिला डॉक्टर ने लगाया आरोप

हंडिया। क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपरदहा में तैनात यूनानी चिकित्सा के महिला डॉक्टर अंजुम आरा को समय से ड्यूटी न आने पर सीएचसी अधीक्षक ने लगाया फटकार। महिला डॉक्टर ने अधीक्षक पर पैसे लेने के लगाने लगी आरोप। हंडिया के सीएचसी उपरदहा में तैनात यूनानी महिला डॉक्टर अंजुम आरा काफी समय से ड्यूटी पर जाकर उपस्थिति लगा कर पुनः अपने निजी अस्पताल शाह मेमोरियल हॉस्पिटल में आकर फर्जी तरीके से अल्ट्रासाउंड भी करती हैं।जबकि यूनानी चिकित्सा की डॉक्टर होकर एलोपैथ का इलाज करती हैं।बताया जाता है कि इसी वजह से डॉक्टर अंजुम आरा की समय से ड्यूटी पर नही आती हैं। व यदि ड्यूटी पर जाती भी है तो।उपस्थिति दर्ज कर पुनः अपने निजी चिकित्सालय में चली जाती हैं।जिससे सीएचसी में आने वाले मरीजों को इलाज में काफी दिक्कतें आ रही थी।जिसकी शिकायत कई मरीजो ने सीएचसी अधीक्षक से की।शिकायत मिलते ही डॉक्टर अंजुम आरा को समय पर ड्यूटी न आने पर और आने के बात तुरंत जाने पर कार्यवाही की बात कही जहाँ महिला डॉक्टर अंजुम आरा ने सीएचसी अधीक्षक पर पैसे लेने का आरोप लगाना चालू कर दिया।जो कि अधीक्षक द्वारा बताया गया कि इस तरीके जो आरोप लगाया जा रहा है ये पूरी तरीके से बेबुनियाद और निराधार है।

जनपद में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह व भव्यता के साथ मनाया जायेगा: जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 रूपेश कुमार ने बताया है कि दिनांक 15 अगस्त 2020 को जनपद में 74वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह व भव्यता के साथ मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम के आयोजन किये जायेगें। स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर प्रत्येक कार्यालयों के समस्त कर्मचारी अपने-अपने कार्यालय में ध्वजारोहण हेतु उपस्थित रहेगें। किसी भी व्यक्ति या प्राइवेट संस्था को ध्वज फहराने का अधिकार प्राप्त है, बशर्ते राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान होना चाहिये। ध्वजारोहण के अवसर पर सरकार की परिलब्धियों की चर्चा अवश्य की जाये। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला योजना, जल शक्ति योजना, गो-संरक्षण, देश भक्ति के सम्बन्ध में उपस्थित व्यक्तियों के साथ चर्चा की जाये। नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित आवासों/प्रतिष्ठानों पर धूमधाम के साथ व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम आयोजित किये जाये एवं झण्डारोहण भी किया जाये। उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों को जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से सम्मानित किया जाये।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने कार्यालय में सेवानिवृत्त कार्मिकों को आमंत्रित करके एक विस्तृत विचार गोष्ठी आयोजित करेगें एवं यदि उनकी कोई समस्या है तो उसे सुनकर अपनी आख्या के साथ एक टिप्पणी प्रस्तुत करेगें जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने 15 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सम्बन्ध में बताया है कि प्रातः 6.30 बजे से प्रातः 7 बजे तक +प्रभात फेरी का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका द्वारा किया जायेगा। प्रातः 7 बजे से प्रातः 7.30 बजे तक जिला क्रीड़ाधिकारी, क्षेत्राधिकारी नगर एवं उपजिलाधिकारी सदर द्वारा स्टेडियम के अन्दर 5000 मीटर क्रास कंट्री केस सोशल डिस्टेसिंग को दृष्टिगत रखते हुये कराई जायेगी जिसमें विजेता को कलेक्ट्रेट में प्रातः 8 बजे पुरस्कृत किया जायेगा। प्रातः 8 बजे समस्त शासकीय तथा गैर शासकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, पंथ निरपेक्षता, सामाजिक समरसता तथा साम्प्रदायिक सौहार्द, स्कूल चलो अभियान व साक्षरता दर बढ़ाने एवं स्वच्छता अभियान की भावना को प्रभावशाली ढंग से लागू किये जाने पर बल दिया जायेगा। कलेक्ट्रेट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जायेगा। ग्राम कहला, रूरे एवं कालाकांकर शहीद स्मारकों पर उपजिलाधिकारी द्वारा माल्यार्पण किया जायेगा। पूर्वान्ह 9.30 बजे जिला अस्पताल में गरीब, बीमार बच्चों व महिलाओं को जिलाधिकारी द्वारा फल वितरित किया जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे जिलाधिकारी द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण तथा बच्चों एवं बीमार कैदियों को फल वितरित किया जायेगा।

रक्षा मोर्चे पर आत्मनिर्भरता की पहल

आत्मनिर्भर भारत के तहत सरकार ने 101 आइटमों की एक लिस्ट तैयार की है जिनके आयात पर प्रतिबंध (एम्बार्गो) होगा। यह रक्षा के मोर्चे पर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा व ऐतिहासिक कदम है। 'भारत छोड़ो आंदोलन' की 78वीं सालगिरह के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी हथियार और रक्षा उपकरण खुद ही बनाने की घोषणा की है। इसकी शुरूआत दिसंबर, 2020 से शुरू होकर दिसंबर, 2025 में समाप्त होगी। यानी रक्षामंत्री चाहते हैं कि इन पांच सालों में रक्षा उद्योग की भारतीय कंपनियां पूरी तरह सक्षम हो जाएं, ताकि आयात पर पूरी तरह रोक लगायी जा सके। इस कदम का मूल उद्देश्य रक्षा क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी बनाना है। देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण नहीं कर पाने के कारण भारतीय सेना को सैन्य आपूर्ति में दूसरों पर आश्रित रहना क्या हमारी अब तक की संपूर्ण विकास यात्रा पर कुछ अधिक अनिवार्य और एक भारी-भरकम प्रश्नचिन्ह नहीं है ? सुरक्षा जरूरतों की आपूर्ति में आत्मनिर्भरता की बजाए दूसरे देशों पर निर्भर हो जाने से क्या हमें कुछ भी नुकसान नहीं उठाना पड़ता है ? आखिर यह कैसे संभव किया जा सकता है, कि हथियार निर्माता देश हमें पुरानी रक्षा प्रौद्योगिकी का निर्यात नहीं करें ? हथियार सौदों में शर्तों का एकतरफा निर्धारण कैसे उचित ठहराया जा सकता है ? अभी भी अधिकतर रक्षा सौदों के मामलों में यही होता आया है, कि हथियार निर्माता देश हमें अपनी मनमानी शर्तों पर पुरानी रक्षा प्रौद्योगिकी पकड़ा देते हैं, जिसका कि हमें बाद में भारी खामियाजा भुगतना पड़ता अब भारत सरकार चाहती है कि डीआरडीओ सरीखे रक्षा संस्थानों ने जो तकनीक और क्षमताएं हासिल की हैं, उनके आधार पर ही 'स्वदेशी अस्त्र' बनाने की शुरुआत की जाए। धीरे-धीरे उत्पादन स्वदेशी होगा, तो प्रौद्योगिकी भी विकसित होती रहेगी। कमोबेश रक्षा उपकरणों के स्वदेशीकरण से हमारे अरबों रुपए बचेंगे, क्योंकि भारत हथियारों के बाजार में दुनिया के पहले तीन बड़े आयातक देशों में शामिल रहा है। बीते पांच सालों में ही 16 अरब डॉलर से अधिक का आयात किया जा चुका है। जमीनी हकीकत यह है कि अपनी रक्षा जरूरतों के लिए भारत दुनिया के दूसरे देशों पर निर्भर है। कभी रूस से हथियार खरीदने वाला भारत अब दुनिया के दूसरे मुल्कों से भी हथियार खरीदने में पीछे नहीं है। फिर वह इजरायल हो या फिर अमेरिका। मेक इन इंडिया के नारे के बावजूद अब भी बड़ी रक्षा जरूरतें आयात पर निर्भर है और यही भारत को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा हथियार आयातक देश बनाता है। 2014 से 2018 के मध्य भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश था। इस अवधि के दौरान सऊदी अरब दुनिया का सबसे ज्यादा हथियार आयात करने वाला देश था। हथियारों के आयात में उसकी वैश्विक स्तर पर हिस्सेदारी 12 फीसद है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2014 से 2018 के मध्य प्रमुख हथियारों का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक था और वैश्विक स्तर पर उसकी हिस्सेदारी 9.5 फीसद थी। हालांकि, 2009 से 2013 और 2014 से 2018 के बीच भारतीय आयात में 24 फीसद की कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, आंशिक रूप से ऐसा विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से लाइसेंस के तहत उत्पादित हथियारों की डिलीवरी में देरी के कारण हुआ है। जैसे 2001 में रूस को लड़ाकू विमान का और 2008 में फ्रांस से पनडुब्बियों का आदेश दिया गया था। मोदी सरकार की इस घोषणा से देश को अर्थव्यवस्था के स्तर पर बड़ा मुनाफा होगा। वहीं नए निर्माण, उत्पादन शुरू होंगे, तो रोजगार के नये क्षेत्र भी खुलेंगे। अर्थात् अर्थव्यवस्था व रोजगार के दो मोर्चों पर एक साथ लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए 52,000 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। रक्षा मंत्री ने आश्वस्त किया है कि आने वाले 5-7 सालों में चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के ऑर्डर भारतीय कंपनियों को दिए जाएंगे। यह भी स्पष्ट किया गया है कि अब हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर, मालवाहक विमान, पारंपरिक पनडुब्बी, क्रूज मिसाइल के साथ-साथ रडार, ऑर्टिलरी गन, अपतटीय गश्ती जहाज, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक प्रणाली, अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत, फ्लोटिंग डॉक, कम दूरी के समुद्री टोही विमान, असॉल्ट राइफल आदि अस्त्र और युद्धक उपकरण देश में ही बनाए जाएंगे। अत्याधुनिक हथियारों, विमानों और युद्धक प्रणाली आदि के लिए हम रूस, अमरीका, फ्रांस और इजरायल आदि देशों के भरोसे रहे हैं। दुनिया के कुल 58 देश ऐसे हैं, जो अपने हथियार दुनियाभर में निर्यात करते हैं, लेकिन थोड़ी पड़ताल करने पर पता चलता है कि इनमें से 74 फीसदी हथियार अकेले पांच देश (अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और जर्मनी) मिलकर करते हैं। इन पांचों हथियार निर्माता-निर्यातक देशों का यह हथियार कारोबार लगातार दिन-दोगुना, रात-चौगुना की रफ्तार से फल-फूल रहा है। भारत हथियारों, अत्याधुनिक विमानों और उनके छोटे-छोटे उपकरणों तथा तकनीकों के लिए विदेशों का मोहताज रहा है। भारत रक्षा सामानों का आयातक ही नहीं, महत्त्वपूर्ण निर्यातक भी है। हम अमरीका, फ्रांस, जर्मनी और फिनलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल और साउथ अफ्रीका समेत कुल 42 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात भी करते हैं। बेशक ये उपकरण और मिसाइलें आदि अपेक्षाकृत छोटे होते हैं, लेकिन सेनाओं के लिए एक छोटा-सा हेलमेट भी 'कवच' के समान है। अब इस निर्यात को पांच अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया गया है।

रक्षा सेक्टर में विनिर्माण मामले में पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी योजना 'मेक इन इंडिया' परवान चढ़ रहा है। इसी योजना के तहत भारत में अपाचे जैसा हेलिकॉप्टर के विनिर्माण का रास्ता खुला है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारतीय सेना के लिए युद्धक हेलिकॉप्टर बनाने के मेगा प्रॉजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। एचएएल के मुताबिक 10 से 12 टन के ये हेलिकॉप्टर दुनिया के कुछ बेहतरीन हेलिकॉप्टर्स जैसे बोइंग के अपाचे की तरह आधुनिक और शक्तिशाली होंगे। एचएएल के प्रमुख आर माधवन ने कहा है कि जमीनी स्तर पर काम शुरू किया जा चुका है और 2027 तक इन्हें तैयार किया जाएगा। मेक इन इंडिया के तहत नौसेना के लिए भारत में ही करीब 45 हजार करोड़ रुपये की लागत से छह पी-75 (आई) पनडुब्बियां बनाई जाएंगी। पनडुब्बियों के निर्माण की दिशा में स्वदेशी डिजाइन और निर्माण की क्षमता विकसित करने के लिए नौसेना ने संभावित रणनीतिक भागीदारों को छांटने के लिए कॉन्ट्रैक्ट जारी कर दिया है। मेक इन इंडिया के तहत अब दुनिया के सबसे घातक हथियारों में से एक क्लाशिनकोव राइफल एके 103 भारत में बनाए जाएंगे। सेना की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसे भारत में बनाया जाएगा। इसे भारत से निर्यात भी किया जा सकता है।

अगर डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डी.आर.डी.ओ.) के वैज्ञानिक ठान लें, तो बहुत कुछ संभव करते हुए सैन्य उपकरणों की आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया जा सकता है। अगर इसरो के वैज्ञानिक, अंतरिक्ष-तकनीक में भारत को किसी एक हद तक आत्मनिर्भर बना सकते हैं, तो डी.आर.डी.ओ. के वैज्ञानिक रक्षा क्षेत्र में काम आने वाले सैन्य-उपकरण बनाने वाली तकनीक में भारत को क्यों नहीं स्वावलंबी बना सकते हैं ? वैसे देखा जाए तो सैन्य-उपकरणों की निर्भरता से अधिक कारगर उपकरण कुशल सुरक्षा-कूटनीति का होता है। बेहतर है कि युद्ध, अशांति और तनाव की स्थितियां ही पैदा न हो, ये कैसे संभव हो ? फिलवक्त हम 70 फीसदी से अधिक हाईटेक रक्षा हार्डवेयर-विमान, समुद्री जहाज, पनडुब्बी और मिसाइल आदि-तो रूस, जापान, अमरीका और इजरायल आदि देशों से आयात करते हैं। कमोबेश आत्मनिर्भरता की कोई ठोस शुरुआत तो की जाए। रक्षा मंत्रालय का यह फैसला बेहद खास और दिशा बदलने वाला हो सकता है।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था में गति लाना जरूरी

केंसियन और शिकागो सिद्धांत के बीच अंतर काफी प्रतिरोधी है, बिल्कुल शिया-सुन्नी, कैथोलिक-प्रोटेस्टेंट या थेलाकाराई-वाडाकराई अयंगर टकराव की तरह. अभी एकमात्र विवाद राष्ट्रीय आय को लेकर है कि इसमें संकुचन कितना होगा. वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि इसमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक यह 4.5 प्रतिशत होगा. रेटिंग एजेंसियों ने 6.8 प्रतिशत, जबकि कई अन्य का अनुमान लगभग 10 प्रतिशत तक के संकुचन का है. हम इससे कैसे निपटें? भारत सरकार का अनुमान रूढ़िवादी है और आर्थिक राहत पैकेज पर कोई गंभीर टिप्पणी नहीं दी गयी है. वास्तव में वह राहत पैकेज नहीं है. यह समस्या कहीं दार्शनिक है. केंसियन अर्थशास्त्र का एक सिद्धांत है, जो कहता है कि वृद्धि के लिए सरकार को मांग बढ़ानी चाहिए. केंसियन मत है कि अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता मांग प्राथमिक शक्ति है. परिणामतः यह सिद्धांत विस्तारक राजकोषीय नीति का समर्थक है. शिकागो दर्शन नवशास्त्रीय आर्थिक विचार है, जो 1930 में शिकागो विश्वविद्यालय से शुरू हुआ था. इसका मुख्य मत है कि अर्थव्यवस्था में मुक्त बाजार संसाधनों का आवंटन बेहतर तरीके से करता है और न्यूनतम या नगण्य सरकारी हस्तक्षेप आर्थिक समृद्धि के लिए अच्छा होता है. वे राजकोषीय घाटे को नापसंद करते हैं. यही कारण है कि वास्तविक राहत पैकेज मात्र 63,000 करोड़ रुपये है. शिकागो अर्थशास्त्री जैसे- रघुराम राजन और उनके पूर्व छात्र कृष्णामूर्ति सुब्रह्मण्यम, वर्तमान मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीइए), राजकोषीय घाटे को लेकर सतर्क रहते हैं. वे राजकोषीय घाटे के आकार के हिसाब से भारत जैसे देशों को आंकने के लिए वाशिंगटन मतैक्य के सच्चे अनुयायी हैं. स्थिति के आकलन के लिए मूडीज जैसी रेटिंग एजेंसियां उपकरण की तरह हैं, जिसने हाल ही में भारत की रेटिंग कम की है. हमें इससे परेशान नहीं होना चाहिए. भारत का विदेश में शायद ही कोई कर्जदार है और रिजर्व के तौर पर 490 बिलियन डॉलर का ऋणदाता है. जब सीइए से बड़ी राहत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा- कोई भी चीज मुफ्त नहीं होती, जोकि वास्तव में मिल्टन फ्रीडमैन का मत है. लेकिन, वे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की अनदेखी कर रहे हैं, जोकि अमेरिका है. राहुल गांधी के साथ वीडियो वार्ता में रघुराम राजन ने 65 हजार करोड़ के पैकेज को वर्तमान स्थिति के लिए पर्याप्त कहा था. नोबेल विजेता अभिजीत भट्टाचार्य और पूर्व सीइए अरविंद सुब्रह्मण्यम ने अमेरिका या जापान जैसे बड़े पैकेज का सुझाव दिया था. अमेरिका ने 3.5 ट्रिलियन डॉलर का पैकेज घोषित किया है, जो कि जीडीपी का 15 प्रतिशत है. मोदी का राहत पैकेज जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत है. कई गंभीर अर्थशास्त्री राजकोषीय घाटे को अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक मानते हैं. जॉन मेनॉर्ड केयनेस के अनुसार, इस घाटे से देशों को मंदी से निकलने में मदद मिलती है. दूसरा, वित्तीय रूढ़िवादियों का मानना है कि सरकारों को संतुलित बजट के लिए घाटे से बचना चाहिए. उभरती और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं- अमेरिका, चीन, जापान और ज्यादातर पश्चिम यूरोपीय देशों का ऋण जीडीपी अनुपात उच्चतम है. हाल के जीडीपी के 20 प्रतिशत पैकेज से पहले जापान का ऋण जीडीपी अनुपात 253 प्रतिशत से अधिक था. चीन का ऋण जीडीपी के 180 प्रतिशत से अधिक है. अमेरिका का ऋण जीडीपी अनुपात 105 प्रतिशत है. फिर भी वह कोविड-19 संकट से निकलने के लिए तीन ट्रिलियन डॉलर कर्ज के रूप में जुटा रहा है. भारत का ऋण जीडीपी अनुपात मात्र 62 प्रतिशत है, फिर भी जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत घोषित किया है? उधार लेकर अर्थव्यवस्था को गति देना बुरा नहीं है. जब राष्ट्र सुनिश्चित लाभ और सामाजिक विकास के लिए ऋण को उचित पूंजी के तौर पर व्यय करते हैं, तो उससे समृद्ध होते हैं. लेकिन, भारत में ऋण को सब्सिडी के रूप खर्च किया जाता है. अगर किसी परिवार को कर्ज लेकर बच्चे की शिक्षा या आदमी के पीने की आदत पर खर्च करने का विकल्प दिया जाये, तो तर्कसंगत विकल्प स्पष्ट है. बच्चे की शिक्षा का लाभ लंबी अवधि में मिलेगा, जबकि पीनेवाले को तुरंत संतुष्टि मिलेगी. लेकिन, दुर्भाग्य से हमारी सरकारों ने हमेशा गलत विकल्प चुना है. अगर कर्ज की रकम से उत्पादकता, विकास और समृद्धि आती है, तो वह सराहनीय है. हम सरकार से राजकोषीय घाटा लक्ष्य नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, रोजगार और निवेश के बारे में सुनना चाहते हैं. अगर सरकार घाटा वित्तीयन से बचना चाहती है, तो अन्य विकल्प भी हैं. लेकिन, वित्तमंत्री और आरबीआइ गवर्नर के रूप में नौसिखियों के साथ कमजोर आर्थिक प्रबंधन टीम की वजह से वह असमर्थ है.

बाजार में मांग पैदा करने में नाकाम आर्थिक पैकेज

कोविड-19 महामारी और संकट से उपजी 2020 की भीषण आर्थिक सुस्ती से निकलने के लिए सरकार द्वारा 20 लाख करोड़ रुपए के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की गई। इस योजना को घोषित हुए तीन माह से अधिक हो चुके हैं, इसके बावजूद यह विशेष आर्थिक पैकेज देश के आंतरिक बाजारों में आवश्यक एवं अपेक्षित मांग पैदा करने में नाकाम ही लग रहा है। पिछले तीन महीने में देश के असंगठित क्षेत्रों में 12-15 करोड़ नौकरियां खत्म हो चुकी हैं। तीन-चार महिनों से लगातार बढ़ती बेरोजगारी, जो इस समय 20 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, को रोकने के मामले में आर्थिक पैकेज लगभग असफल साबित हो रही है। सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इतना बड़ा आर्थिक पैकेज अर्थव्यवस्था में मांग पैदा करने में नाकाम क्यों रहा है? इस समय अर्थव्यवस्था की दो सबसे बड़ी समस्या, संकट या चुनौती है। पहली बाजार में मांग उत्पन्न करना और दूसरी बेरोजगारी दर को नियंत्रित करते हुए रोजगार के अवसर बढ़ाना। दोनों ही मोर्चे पर विशेष आर्थिक पैकेज नाकाम दिख रहा है। बाजार में मांग पैदा करना या मांग उत्पन्न करना वैसे तो पूर्णतरू एक आर्थिक, नीतिगत एवं दीर्घकालिक प्रक्रिया होती है, लेकिन फिर भी सरकारें आवश्यकता अनुसार कुछ तात्कालिक एवं फौरी उपायों की घोषणाएं करके बाजार में अल्पकालिक मांग पैदा कर सकती है। बाजार की इन्हीं अल्पकालिक मांगों को तार्किक नीतिगत निर्णयों के माध्यम से आगे बढ़ाते हुए प्रोत्साहनमूलक सहायक योजनाओं एवं कार्यक्रमों के द्वारा दीर्घकालिक रूप में तब्दील किया जा सकता है, और इस प्रकार धीरे-धीरे बाजार में मांग पैदा करने में सहायता मिलती है। उत्पादन बढ़ने या बढ़ाये जाने के दो फायदे होते हैं, एक तो उत्पादकों का मुनाफा और दूसरा रोजगार के अवसरों का उत्पन्न होना। रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने से समाज एवं अर्थव्यवस्था की कुल क्रयशक्ति बढ़ती है। बाजार में मांग बढ़ती है और उत्पाद बिकने लगने लगते हैं। इस प्रकार निवेश, रोजगार, मांग, बिक्री, लाभ, निवेश की यह आर्थिक प्रक्रिया सरपट दौड़ने लगती है, जिससे बाजार एवं अर्थव्यवस्था में विकास की प्रक्रिया को बल मिलता है। यह एक प्रक्रिया है, लेकिन जब यह प्रक्रिया सामान्य तौर से काम नहीं कर पाती है, तो सरकार को इसके लिए प्रोत्साहनमूलक सहायक गतिविधियों संचालित करनी पड़ती हैं, जिससे बाजार में मांग पैदा हो सके। छत्तीसगढ़ का उदाहरण इस मामले को समझने में सहायक हो सकता है।

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने किसानों को कर्ज माफी, धान बोनस, बिजली बिल में छूट, जमीन-प्रॉपर्टी की बाजार कीमतों में कटौती आदि विभिन्न उपायों के द्वारा बाजार में मांग को पैदा करने के मामले में बहुत हद तक सफलता दर्ज की, जिसके कारण कोविड-19 संकट की सुस्ती का असर या प्रभाव छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में कम ही देखने को मिला। बाजार एवं अर्थव्यवस्थाओं में मांग पैदा करने के विषय में परम्परागत सिद्धांतों और पुरानी प्रतिष्ठित आर्थिक विचारधारा में कहा गया है कि आपूर्ति स्वयं अपना मांग उत्पन्न कर लेती हैश, लेकिन 1930 की महामंदी से यह बात असफल सिद्ध हो गई और इस सिद्धांत पर ही सवाल उठने लगे। ऐसे में विकल्प के तौर पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जे.एम. कीन्स की नई आर्थिक विचारधारा को व्यापक समर्थन मिला और दुनिया के अधिकांश देशों ने इसे अपनाना शुरू किया था। कीन्स के अनुसार कोई भी अर्थव्यवस्था अपनी सुधार या मरम्मत स्वयं नहीं कर सकती या कहें कि सुस्ती एवं मंदी की स्थिति में स्वयं ऊपर नहीं उठ सकती। अर्थव्यवस्था को सुस्ती एवं मंदी से उबारने के लिए बड़े आर्थिक सुधारों की जरूरत होती है और ये बड़े सुधार केवल सरकार ही कर सकती है।श् इसके लिए कीन्स ने मंदी में तबाह हुई अर्थव्यवस्था में कुल-मांग जिसे उन्होंने श्प्रभावपूर्ण मांगश् कहा, को बढ़ाने पर जोर देने की बात कही थी। इसके लिए सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में सरकारी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता होती है। सरकार नई-नई सामाजिक-आर्थिक नीतियों, कार्यक्रमों एवं योजनाओं के माध्यम से सरकारी खर्च में वृद्धि करते हुए लोगों को काम देकर उनकी आमदनी बढ़ाकर क्रय-शक्ति बढ़ाते हुए बाजार में तरलता एवं मांग उत्पन्न कर सकती है। समाज के निम्न आय समूहों को सीधे आर्थिक सहायता देकर लोगों में नकदी हस्तांतरण के द्वारा बाजार में मांग बढ़ाकर तात्कालिक मंदी को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। औद्योगिक और वित्तीय इकाइयों के लिए बड़े आर्थिक पैकेज लेकर आए, जिससे औद्योगिक तालाबंदी को रोका जा सके। इसका सम्मिलित प्रभाव सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने में होता है। लोगों की जेब में जब पैसा आता है तो बाजार में मांग उत्पन्न होती है। इस प्रकार अर्थव्यवस्थाएं धीरे-धीरे मंदी से बाहर निकालने लगती हैं, और कुछ समय बाद बाजार एवं अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार पकड़ लेते हैं। देश में मिश्रित अर्थव्यवस्था यानि बाजार और सरकारी नियंत्रण दोनों तरह की व्यवस्था वाली ढांचे को अपनाने की जरूरत होती है। देश में बेरोजगारी दर पहले से ही पिछले 45 सालों के सबसे निचले स्तर पर जा चुकी है। इस समय देश में कुल कार्यशील जनसंख्या (कुल आयु कार्यशील जनसंख्या 15-64 वर्ष), कुल जनसंख्या का लगभग 63-65 प्रतिशत है, यानि देश की 87-90 करोड़ जनसंख्या और कहा जा रहा है कि इसमें से लगभग आधी कार्यशील जनसंख्या अपना रोजगार खो चुकी है।औद्योगिक उत्पादन में भी 38-40 प्रतिशत की गिरावट की बात कही जा रही है। कुल मिलाकर इस महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में महामंदी की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसे तत्काल रोकने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों के अनुसार राहत पैकेज आपूर्ति क्षेत्र में सुधार मात्र है, जबकि अर्थव्यवस्था में सुधार की जरूरत मांग पक्ष में है। दूसरी बात इस सुधार कार्यक्रम के प्रभाव दीर्घकालीन हैं, जबकि अर्थव्यवस्था को तात्कालिक उपायों एवं सुधारों की आवश्यकता है। पैकेज के 8 लाख करोड़ रुपए की राशि की घोषणा पिछले बजट में और आरबीआई के द्वारा जारी राहत पैकेज की राशि की घोषणा भी पहले की जा चुकी है। इन सभी पुराने आबंटनों को इसमें जोड़ दिया गया है। कहा जा रहा है कि इसके पहले 1 लाख 76 हजार करोड़ रुपए आरबीआई से लिए गए और कॉरपोरेट टैक्स में 1 लाख 45 हजार की छूट दी गई थी। लगभग इसी तरह की आशंका इस राहत आर्थिक पैकेज से होने की है। पैकेज के ज्यादातर हिस्सों में ऋण की गारंटी पर जोर दिया गया है। लेकिन इस बात को हमें याद रखना चाहिए कि, मंदी या आर्थिक संकट में कोई भी उद्यमी ऋण लेकर व्यापार करने से परहेज करता है। अगर ऋण ले भी लिया और उत्पादन कर भी लिया तो खरीदेगा कौन?

तात्पर्य यह है कि ये सुधार केवल आपूर्ति पक्ष, सप्लाई साइड के हैं, जबकि देश में इस समय मुख्य समस्या श्मांग की कमीश् की है। लोगों की आय (पैसे) दो हिस्सों में जाती है, पहला खर्च और दूसरा बचत। खर्च से बाजार में मांग उत्पन्न होता है, बचत से निवेश को गति मिलती है जिससे पूंजी निर्माण में वृद्धि होती है। आर्थिक नीति राहत पैकेज के प्रावधान और आत्मनिर्भर भारत के नारे में भी आपको विरोधाभास नजर आएगा। एक तरफ आत्मनिर्भरता की बात की जा रही है, इसका मतलब देश के घरेलू संसाधनों में घरेलू उद्योग-धंधों को प्राथमिकता देना, लेकिन दूसरी तरफ अन्तरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमाओं को 74 से 100 फीसदी तक बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में देश की घरेलू कंपनियां विदेशी कंपनियों की प्रतियोगिता में पीछे चली जाएंगी। आत्मनिर्भर भारत तभी सार्थक माना जा सकता है जब इसका लाभ सीधे तौर पर घरेलू उद्योग-धंधों और आम जनता को मिले। दूसरी तरफ सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते, वेतनवृद्धि सहित तमाम तरह के सुविधाओं आदि तो सरकारें पहले ही खत्म, बंद या इसमें कटौती कर चुकी है। कई राज्य सरकारों ने वेतन में कटौती करना शुरू कर दिया है। ऐसे में बाजार में मांग कहां से पैदा होगी? यह एक बहुत बड़ा सवाल है। इस समय सरकारों का कर्तव्य है कि लोगों को नकदी और नौकरियों की सुरक्षा हर हालात में उपलब्ध करायें। देश के लिए अच्छी और प्रभावी आर्थिक नीतियों का निर्माण करें, तभी अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

नेतृत्व से ज्यादा कांग्रेसजन दोषी

सोनिया गांधी की पहले मंशा थी कि 70 वर्ष की हो जाने पर वे सक्रिय राजनीति से सन्यास ले लेंगी. इसी कारण दिसंबर 2016 में वे राजनीति से रिटायर भी होने वाली थीं. लेकिन, 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का बहुत बुरा हाल हुआ और वह सत्ता से बाहर हो गयी. पार्टी की ऐसी स्थिति देखते हुए उन्होंने अपना संन्यास लेना टाल दिया.दिसंबर 2017 में, गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का आकलन था कि पार्टी अच्छा करेगी. इसी समय राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाया गया. इस चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन लगभग बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन वह सरकार नहीं बना सकी. इसके बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान चुनाव जीता और सरकार बनायी. लेकिन, मई 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा. अमेठी से हारने के बाद राहुल गांधी ने रोष में और हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया. वर्षों से कांग्रेस की एक आदत बनी हुई है कि किसी भी बड़े राजनीतिक निर्णय के लिए उसके सभी सदस्य गांधी परिवार की तरफ देखते हैं. वहीं से उनको दिशा मिलती है. राहुल गांधी के इस्तीफा देने के बाद मई से जुलाई-अगस्त तक कांग्रेस में अनिर्णय की स्थिति रही. सभी ने उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने. इसके बाद बीते वर्ष नौ और दस अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में गुप्त मतदान के जरिये पार्टी के 150 प्रमुख नेताओं की राय ली गयी, जिसमें 148 ने अध्यक्ष पद के लिए सोनिया और राहुल गांधी का ही नाम लिया.चूंकि राहुल गांधी तैयार नहीं थे, इसलिए सोनिया गांधी खुद अंतरिम अध्यक्षा बन गयीं. हालांकि वे चाहती थीं कि एक वर्ष के अंदर ही कांग्रेस अपना अध्यक्ष चुन ले. इसी बीच राजस्थान में राजनीतिक संकट शुरू हो गया और मामला अटक गया. जब तक राजस्थान का राजनीतिक संकट दूर नहीं हो जाता है, तब तक सोनिया गांधी ही अंतरिम अध्यक्ष बनी रहेंगी. इसके बाद ही राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया आरंभ होगी. राजनीति में जीत और सफलता ही नेता के कद को बढ़ाती या घटाती है. चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में अमेठी से अपना चुनाव हार गये थे, इसलिए उनके नेतृत्व में कांग्रेस को इतना भरोसा नहीं है. दूसरी बात, राहुल गांधी चाह रहे हैं कि उनको खुली छूट मिले, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है. सोनिया गांधी कांग्रेस के बड़े पदाधिकारियों (ओल्ड गार्ड) और राहुल गांधी के बीच समन्वय स्थापित करना चाहती हैं. इस कारण भी थोड़ी देर हो रही है. कांग्रेस में अध्यक्ष को लेकर कोई समस्या नहीं है. कांग्रेसजन इस बात को लेकर मानसिक रूप से तैयार हैं कि सोनिया गांधी के बाद राहुल गांधी ही पार्टी के अध्यक्ष होंगे. यहां जितनी भी अंदरूनी लड़ाई है, वह अध्यक्ष के बाद के पदों को लेकर है. यह सच है कि नेतृत्व का असर पार्टी पर पड़ता है. उसी के फैसले से पार्टी को दिशा मिलती है, उसकी राजनीतिक गतिविधियां आगे बढ़ती हैं. कांग्रेस में सोनिया गांधी अध्यक्षा हैं, राहुल गांधी पूर्व अध्यक्ष हैं, प्रियंका गांधी महामंत्री हैं, बहुत से मामलों में इन तीनों की राय अलग-अलग होती है. तो इन सबकी वजह से भी कुछ व्यावहारिक समस्याएं आती हैं. किसी भी राजनीतिक दल के उत्थान-पतन के लिए पार्टी नेतृत्व जितना दोषी होता है, पार्टी के बाकी सदस्य भी उतने ही दोषी होते हैं. क्योंकि, हार-जीत एक व्यक्ति से तय नहीं होती है, इसमें पार्टी नेतृत्व से लेकर कार्यकर्ताओं तक की बराबर हिस्सेदारी होती है. इसके लिए किसी अकेले को श्रेय या दोष देना सही नहीं है. कांग्रेस की समस्या यह है कि इसके सदस्यों ने बहुत समय से आंतरिक लोकतंत्र को तिलांजलि दे दी है. इसके लिए वे प्रयास ही नहीं करते. पार्टी के संविधान में है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के 15 प्रतिशत सदस्य मिलकर पार्टी का अधिवेशन बुला सकते हैं और अपने नेता को बाध्य कर सकते हैं कि आप नेतृत्व का निर्णय कीजिए. लेकिन कांग्रेस में ये मुहिम चलती ही नहीं है. संजय झा या शहजाद पूनावाला जैसे नेता, जो एआइसीसी के डेलिगेट भी नहीं हैं, उन्होंने ही अपने स्तर से बस विरोध किया है. लेकिन क्या आपने कभी देखा है कि शशि थरूर, कपिल सिब्बल जैसे कांग्रेस के बड़े और समझदार नेताओं ने किसी भी मुद्दे पर पार्टी में विरोध किया है.

जैसे, 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के चुने गये 52 सदस्यों में से नेता का चुनाव होना था, लेकिन ना शशि थरूर सामने आये, ना मनीष तिवारी. ऐसे में सोनिया गांधी ने अधीर रंजन चौधरी को नेता बना दिया और वे अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये. यदि वहां चुनाव होता तो एक अच्छा नेतृत्व सामने आ सकता था. कांग्रेस के संगठन में जो बिखराव हुआ है, या गिरावट आयी है, उसके लिए गांधी परिवार कम दोषी है, कांग्रेस के दूसरे लोग ज्यादा दोषी हैं. क्योंकि जो अधिकार उनके पास है, उसका वे उपयोग ही नहीं करते हैं. हर राजनीतिक दल में उतार-चढ़ाव आता है. वर्ष 1977 में जब इंदिरा गांधी चुनाव हारी थीं, तब पार्टी ने आत्मविश्वास नहीं खोया था. कांग्रेसजन को वापसी का भरोसा था. आज कांग्रेस में बहुत हताशा का माहौल है. कांग्रेस वही करना चाहती है जो भाजपा कर रही है, या कर चुकी है. इससे देश को वैकल्पिक दृष्टिकोण नहीं मिल पायेगा, जबकि देश हमेशा विकल्प ढूंढता है. हालांकि राहुल गांधी अपने स्तर से विकल्प पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत को 2021 टी20 वर्ल्ड कप में धोनी की नहीं है जरूरत

उनके बिना भी जीत सकते हैं टाइटल

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया क्या धोनी के बिना 2021 टी20 वर्ल्ड कप खेल सकती है। इस पर भारत के पूर्व खिलाड़ी व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम 2021 टी20 वर्ल्ड कप में धौनी के कंधों पर भरोसा किए बिना ही अपने दम पर आगे बढ़ सकती है। आकाश चोपड़ा जो पूर्व भारतीय बल्लेबाज रहे हैं वो विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अपनी राय देते रहते हैं और अब अपने यूट्यूब चैनल पर वो एक्सपर्ट सलाह देते हुए नजर आते हैं। आकाश चोपड़ा से एक दर्शक ने पूछा कि क्या भारतीय टीम साल 2021 में टी20 विश्व कप में महेंद्र सिंह धौनी के बिना उतर सकती है। इसके जवाब में आकाश चोपड़ा ने अपनी सहमति जताई और कहा कि भारतीय टीम में इतनी क्षमता है कि वो 2021 टी20 वर्ल्ड कप में धौनी के बिना भी उतर सकती है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि ये वर्ल्ड कप 2021 के आखिरी में खेला जाएगा जिसमें धौनी को शामिल किया जाना एक अच्छा विचार नहीं होगा। आकाश चोपड़ा ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मुझे ऐसा लगता है कि हम उनसे बिना मैनेज कर सकते हैं, क्योंकि हम 2021 के बारे में बात कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने ये कहा कि उनकी टीम मे रहना अनुभव के लिहाज से काफी अच्छा होगा, लेकिन क्या धौनी तब तक क्रिकेट खेलना चाहेंगे। आकाश चोपड़ा के मुताबिक अब धौनी भारत के लिए खेलने के लिए ज्यादा तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2021 वर्ल्ड कप भारत में खेला जाएगा और आप जरूर चाहेंगे कि धौनी टीम में रहें और खेलें, लेकिन पहली बात ये है कि क्या धौनी खेलना चाहते हैं। मैं एक टूटे हुए रिकॉर्ड की तरह ये कहना चाहता हूं कि अब वो नहीं खेलना चाहते हैं। आकाश चोपड़ा ने आगे कहा कि अगर वो खेलने के लिए उपलब्ध होते भी हैं तो अभी इसमें एक साल का समय है जब वर्ल्ड कप खेला जाएगा। इस वजह से हमें उनके बिना मैनेज करने की आदत डालनी होगी और मुझे लगता है कि तब तक हमें इसकी आदत भी हो जाएगी। इस वजह से मुझे लगता है कि उनकी उपस्थिति ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होगी, क्योंकि मुझे ऐसा नहीं लगता कि अगर वो टीम में नहीं होंगे तो हम वर्ल्ड कप नहीं जीत पाएंगे।

इंग्लैंड ने किया दूसरे टेस्ट के लिए टीम का ऐलान

बेन स्टोक्स की जगह रॉबिन्सन को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले के लिए इंग्लैंड के टीम की घोषणा कर दी गई है। मैच से एक दिन पहले बुधवार को इंग्लैंड के चयनकर्ताओं ने 14 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जिसमें बेन स्टोक्स की जगह डरहम के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन को शामिल किया गया है। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच साउथैम्पटन में तीन मैचों की सीरीज का दूसरी मुकाबला गुरुवार से शुरू होने वाला है। बुधवार को टीम के मुख्य चयनकर्ता जेम्स टेलर ने 14 सदस्यीय टीम का चयन किया। निजी कारणों को सीरीज से हटने वाले ऑलराउंडर स्टोक्स की जगह टीम में रॉबिन्सन को जगह दी गई है। डरहम की टीम की तरफ से खेलने वाले इस तेज गेंदबाजी का यह डेब्यू सीरीज होगा। मैनचेस्टर में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट की रोमांचक जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने शान मसूद के शतक के दम पर 326 रन बनाए और फिर इंग्लैंड को महज 219 रन पर ढेर कर दिया। पहली पारी में 107 रन की अहम बढ़त बनाने वाली पाकिस्तानी टीम दूसरी पारी में 169 रन पर ही सिमट गई और इंग्लैंड को 277 रन का लक्ष्य मिला। रन का पीछा करते हुए एक समय पर इंग्लैंड ने 117 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे लेकिन क्रिस वोक्स और जेस बटलर ने छठे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। वोक्स ने नाबाद 84 जबकि बटलर ने 75 रन की पारी खेली। जो रूट (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफ्रा आर्चर, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर (विकेटकीपर), जैक क्राउले, सैम कुर्रन, ओली पोप, ओरी रॉबिन्सन, डॉम सिब्ले, क्रिस वोक्स, मार्क वुड

विराट कोहली ने अनुष्का शर्मा के साथ खेली क्विज

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने भी आइपीएल के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। विराट कोहली एक बार फिर से आरसीबी को खिताब दिलाने के अपने अभियान की शुरुआत 19 सितंबर से करेंगे। बहरहाल विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो की खास बात ये है कि दोनों इसमें एक गेम खेलते नजर आ रहे हैं। इस गेम में दोनों ने एक-दूसरे से सबसे पहले एक-दूसरे के पेशे के बारे में सवाल पूछे जबकि इसके बाद रैपिड फायर राउंड खेला गया। रैपिड फायर राउंड के बाद दोनों एक-दूसरे से ऐसे सवाल पूछे जिससे ये पता चले कि वो एक-दूसरे को कितने अच्छे से जानते हैं। इसमें अनुष्का शर्मा ने बॉलीवुड से जुड़े तीन सवाल विराट कोहली से पूछे जिसमें विराट दो का ही उत्तर दे पाए और एक का जवाब उन्होंने गलत दिया। वहीं अनुष्का शर्मा ने क्रिकेट से जुड़े तीनों सवाओं के सही जवाब दिए और जीत गईं। विराट ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें उन्होंने लिखा है कि देखतें हैं कौन किसे बेहतर तरीके से जानता है। उम्मीद करते हैं कि आपने जरूर इस वीडियो का मजा लिया होगा और विनर कौन है जान गए होंगे क्योंकि मुझे समझ नहीं आया। आपको बता दें कि विराट कोहली आइपीएल 2020 में आरसीबी की कप्तानी करेंगे और वो इस वक्त इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। विराट बल्लेबाज के तौर पर जितने सफल हैं कप्तान के तौर पर वो खुद को साबित नहीं कर पाए हैं। हालांकि आरसीबी फैंस को इस बात की उम्मीद जरूर होगी कि विराट की कप्तानी मे ये टीम इस साल कुछ ना कुछ कमाल जरूर करेगी।

चौथे माह भी गिरा मगर जून में सुधरा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का औद्योगिक उत्पादन जून में 16.6 फीसदी घटा है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में गिरावट का यह लगातार चौथा महीना है। मगर अप्रैल की 57.6 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट और मई की 33.8 फीसदी कमी के मुकाबले इस बार गिरावट की रफ्तार मंद पड़ी है। इससे यह संकेत भी मिल रहा है कि कोविड और लॉकडाउन से झटका खाने के बाद अर्थव्यवस्था अब पटरी पर लौट रही है। सरकार पिछले दो महीनों से आईआईपी के केवल सूचकांक आंकड़े जारी कर रही थी मगर आज उसने जून महीने के समूचे आंकड़े दिखाए। गिरावट जरूर आई है मगर उसे कोरोना महामारी से पहले के महीनों की कसौटी पर परखना सही नहीं होगा। यह बात अलग है कि मार्च में केवल 7 दिन लॉकडाउन रहने के बाद भी औद्योगिक उत्पादन में 18.6 फीसदी की कमी दर्ज की गई थी। नीति-निर्माताओं ने उम्मीद जताई कि औद्योगिक गतिविधियां शुरू करने के लिए सशर्त छूट से उत्पादन में शीघ्रता से तेजी आएगी लेकिन विशेषज्ञों ने चेताया कि जून के आंकड़ों से खुश होने की जरूरत नहीं है। इक्रा की प्रधान अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, जुलाई में कोल इंडिया का उत्पादन, बिजली की खपत और जीएसटी ई-वे बिल में गिरावट केवल इकाई अंक में रह गई। इससे संकेत मिलता है कि जुलाई में भी आईआईपी की गिरावट कम होगी। मगर हमें अब भी लगता है कि लॉकडाउन के दौरान जो मांग थी, उसी की वजह से जून-जुलाई में कुछ श्रेणियों में उत्पादन बढ़ा है मगर अगस्त में शायद तस्वीर इतनी अच्छी नहीं रहे क्योंकि कई रायों ने अपने स्तर पर लॉकडाउन बढ़ाया है। आईआईपी के सभी क्षेत्रों - खनन, विनिर्माण और बिजली के उत्पादन में संकुचन आया लेकिन यह गिरावट मई की तुलना में थोड़ी कम रही। आईआईपी में 78 फीसदी भारांश वाले विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में जून के दौरान 17.1 फीसदी गिरावट आई, जबकि मई में यह 38.4 फीसदी घटा था। इस क्षेत्र पर मार्च से ही दबाव देखा जा रहा है और अप्रैल में इस क्षेत्र के उत्पादन में 67.1 फीसदी की गिरावट आई थी। दवा निर्यात और सैनिटाइजर तथा सुरक्षा उपकरणों के ऑर्डर से फार्मास्युटिकल का उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा है। मई में इस क्षेत्र का उत्पादन 2.45 फीसदी बढ़ा था। तंबाकू का उत्पादन भी 4.5 फीसदी बढ़ा है। पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन जून में 36.9 फीसदी घटा है। मई में इसमें 64.3 और अप्रैल में 90 फीसदी की गिरावट आई थी। पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में लगातार सात महीने से गिरावट का रुख बना हुआ है। नीति निर्माताओं का कहना है कि सरकार ने इस क्षेत्र में सुधार लाने के हरसंभव प्रयास किए हैं लेकिन इसमें सुधार आने में थोड़ा वक्त लग सकता है। कंयूमर ड्यूरेबल्स का उत्पादन जून में 35.5 फीसदी घटा है। हालांकि मई में 68.5 फीसदी की गिरावट से इसमें थोड़ा सुधार हुआ है। कंयूमर ड्यूरेबल्स के उत्पादन में कोविड से पहले से ही गिरावट देखी जा रही है। खनन गतिविधियों में भी जून में 19.8 फीसदी की गिरावट रही। मई में इस क्षेत्र का प्रदर्शन 20.5 फीसदी घटा था। बिजली उत्पादन में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, पहली तिमाही में 36 फीसदी की गिरावट से इस तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पर व्यापक असर पड़ेगा और पहली तिमाही में जीडीपी में 20 फीसदी का संकुचन आ सकता है।

रूस का दावा, कोविड टीका बनाया

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने मंगलवार को घोषणा की कि उनके देश ने कोरोनावायरस के खिलाफ पहला टीका विकसित कर लिया है जो कोविड-19 से निपटने में बहुत प्रभावी ढंग से काम करता है और एक स्थायी रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण करता है। इसके साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि उनकी बेटियों में से एक को यह टीका पहले ही दिया जा चुका है। स्पूतनिक न्यूज के अनुसार पुतिन ने यह दावा एक सरकारी बैठक में किया और कहा कि यह विश्व के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण कदम है। पुतिन ने कहा कि उनकी एक बेटी परीक्षण में शामिल हुई और उसे टीका दिया गया। उन्होंने कहा, पहले टीके के बाद उनकी बेटी के शरीर का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस था, अगले दिन यह 37 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा अधिक था। दूसरे टीके के बाद उसका तापमान कुछ बढ़ा और फिर सब ठीक हो गया। वह अछा महसूस कर रही है और ऐंटीबॉडी स्तर अधिक है। पुतिन ने कहा, यह (टीका) बहुत प्रभावी तरीके से काम करता है और स्थायी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करता है। राष्ट्रपति ने कोरोनावायरस के खिलाफ पहले टीके पर काम करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि रूस निकट भविष्य में बड़े पैमाने पर इसका उत्पादन शुरू करने में सक्षम होगा। रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को ने कहा है कि कोरोनावायरस के खिलाफ पहले टीके का उत्पादन दो स्थानों-गमालेया रिसर्च इंस्टिट्यूट और बिनोफार्म कंपनी में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि कई देश पहले ही इस टीके को लेकर अपनी रुचि दिखा चुके हैं। रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) उत्पादन और विदेश में टीके के प्रचार-प्रसार में निवेश कर रही है। टीके गमालेया रिसर्च इंस्टीट्यूट और रूस के रक्षा मंत्रालय ने सुयंक्त रूप से विकसित किया है। इसका परीक्षण 18 जून को शुरू हुआ था जिसमें 38 स्वयंसेवी शामिल थे। इन सभी प्रतिभागियों में कोविड-19 के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई। पहले समूह को 15 जुलाई और दूसरे समूह को 20 जुलाई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा सचिव एलेक्स अजार ने कहा है कि कोविड-19 का पहला टीका बनाने की जगह कोरोनावायरस के खिलाफ एक प्रभावी और सुरक्षित टीका बनाना यादा महत्त्वपूर्ण है। ताइवान की यात्रा पर आए अजार से एबीसी ने मंगलवार को पूछा कि रूस की इस घोषणा के बारे में वह क्या सोचते हैं कि वह कोरोनावायरस के टीके का पंजीकरण करने वाला पहला देश बन गया है।

ओएनजीसी ने संचालन नियमों से मांगी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल ऐंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से नए संचालन नियमों से छूट दिए जाने का अनुरोध किया है। ओएनजीसी ने निदेशक मंडल की संरचना और इसके आकार से जुड़े प्रावधानों से विशेष रूप से छूट मांगी है। सूचीबद्धता संबंधी दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज ओएनजीसी सहित कई सार्वजनिक उपक्रमों पर जुर्माना लगा चुके हैं और उनके खिलाफ नियामकीय कार्रवाई भी की गई है। लंबे समय तक नियमों का अनुपालन नहीं करने की सूरत में इन सार्वजनिक उपक्रमों को एक्सचेंज पर कारोबार करने से रोका भी जा सकता है। इन बातों के मद्देनजर ही ओएनजीसी ने सेबी से विशेष अनुरोध किया है। ओएनजीसी ने कहा है कि उस पर सरकार का नियंत्रण है और कार्यकारी निदेशकों एवं गैर-कार्यकारी निदेशकों सहित निदेशक मंडल में नियुक्तियां करने का अधिकार सरकार के पास है। कंपनी के अनुसार सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते प्रदर्शन के मूल्यांकन से जुड़े प्रावधान उस पर लागू नहीं होते हैं, इसलिए उसे सेबी की सूचीबद्धता एवं खुलासा संबंधी नियमों से बाहर रखा जाना चाहिए। इस विषय पर ओएजीसी को भेजे ई-मेल का कोई जवाब नहीं आया। ओएनजीसी ने आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन (कंपनी के परिचालन से जुड़े दिशानिर्देश एवं उद्देश्य संबंधी दस्तावेज) प्रावधानों के तहत कंपनी मामलों के मंत्रालय से भी ऐसी ही छूट की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि मंत्रालय ने ओएनजीसी को कंपनी कानून के तहत मूल्यांकन एवं निदेशक मंडल के प्रदर्शन संबंधी प्रावधानों की जद से बाहर कर दिया है। सार्वजनिक उपक्रम कई मौकों पर सूचीबद्धता दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते पाए गए हैं। कई सार्वजनिक उपक्रम महिला निदेशकों की नियुक्ति नहीं कर पाए हैं या उनके निदेशक मंडलों में जरूरी संख्या में स्वतंत्र निदेशक नहीं हैं। एक कंपनी सचिव ने कहा, सरकार नियंत्रित इकाइयों के लिए नए संचालन नियमों का क्रियान्वयन करना मुश्किल है। सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के बीच संचालन प्रक्रियाओं में खासा अंतर है। सूचीबद्ध कंपनियों के लिए जो नियम-कायदे तय किए गए हैं, उनमें निदेशक मंडल के प्रदर्शन का तिमाही आधार पर खुलासा करना भी शामिल है। इसके तहत पूरे निदेशक मंडल, निदेशकों (स्वतंत्र एवं चेयरमैन) और निदेशक मंडल की विभिन्न समितियों का प्रदर्शन भी शामिल हैं। इससे पहले भी संचालन नियमों का उल्लंघन करने के लिए ओएनजीसी पर जुर्माना लगाया जा चुका है। उस समय एनएसई ने कंपनी पर 1.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। हालांकि प्राइम डेटाबेस के संस्थापक पृथ्वी हल्दिया की राय में सार्वजनिक उपक्रमों को हमेशा इन नियमों से छूट दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, इन कंपनियों का संचालन निदेशक मंडल नहीं बल्कि मंत्रालय करते हैं। सभी निदेशकों की नियुक्ति भी सरकार ही करती है।

सोने और चांदी के दामों में आई जबरदस्त गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कई दिनों से सोने के भाव में लगातार तेजी को अब विराम लगता नजर आ रहा है। आज तीसरे दिन लगातार सोने और चांदी के दामों में जबरदस्त गिरावट आई। बुधवार को जन्माष्टमी के दिन देश भर के सर्राफा बाजार में मंगलवार के मुकाबले सोने के भाव में करीब 1,643 रुपये की कमी आई। सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव आज 1643 रुपये गिरकर 52,308 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं चांदी का हाजिर भाव 7,761 रुपये प्रति किलो नीचे 63,450 रुपये पर आ गया। चांदी के भाव में आज बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन दिल्ली के मीडिया प्रभारी राजेश खोसला के मुताबिक द्वड्ढद्धड्ड देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। खोसला कहते हैं कि सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतों में मामूली अंतर होता है।

क्या अब सोने में निवेश करना चाहिए या प्रॉफिट बुक करके निकल लें?

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत 56 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार करने के बाद ज्यादातर निवेशकों के मन में बड़ा सवाल है कि क्या मौजूदा कीमतों पर गोल्ड में निवेश करना चाहिए? या प्रॉफिट बुक करके निकल जाना चाहिए। अगर एक्सपर्ट की माने तो सोना दिवाली तक 60,000 रुपये तक पहुंच सकता है। हालांकि, अब निवेश करने पर निवेशकों को उतना रिटर्न नहीं मिल पाएगा जितना बीते छह महीने में मिला है। जैसे-जैसे कोरोना की वैक्सीन आने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा उतना ही सोने की कीमतों में सुधार नजर आएगा। विशेषज्ञों की मानें तो कोरोना संकट के बीच जारी वैश्विक अनिश्चितता के चलते सोने के दामों में तेजी आई। कोरोना संकट के कारण बीते छह महीने में सोने के दामों में 24 फीसदी की तेजी आई। 10 ग्राम सोने का भाव 56,000 रुपये के शिखर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले पांच वर्षों में प्रति वर्ष 12.8 प्रतिशत का ही लाभ दिया है। एक्सपर्ट ये भी मानते हैं कि सोना दिवाली तक 60 हजार के स्तर पर पहुंच सकता है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगले दो साल में सोना 70 हजार रुपये के पार पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना संकट खत्म होने के बाद भी दुनिया का आर्थिक संकट तुरंत खत्म होने वाला नहीं है। ऐसे में अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल के बीच सोने की मांग में आगे भी तेजी बनी रहने की उम्मीद है। सोने के हाजिर भाव में बीते तीन दिनों में करीब 3,800 रुपये की गिरावट आई है। भारत में आमतौर पर सोना संकटकाल में निवेश के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है क्योंकि लोग इसे सबसे सुरक्षित मानते हैं। कोरोना जैसी परेशानी के बाद सोने के दाम ने 56000 रुपये का शिखर देख लिया है। रूस की कोरोना वैक्सीन को लेकर आ रही खबरों के बाद सोने के दामों में गिरावट आई है। एक्सपर्ट का मानना है कि कोरोना की वैक्सीन बाजार में आने की दिशा में काम आगे बढ़ने पर सोने के दाम में सुधार आएगा। ऐसे में निवेशकों को उतना रिटर्न गोल्ड से नहीं मिलेगा जितना बीते छह महीने या एक साल में मिला है लेकिन उनका मानना है कि सोने में निवेश कभी भी गलत नहीं होता। सोने ने रुपये के रूप में हमेशा बेहतर लाभ दिया है। वर्ष 2001 के बाद से सोने ने प्रतिवर्ष 13 प्रतिशत लाभ दिया है। पिछले 15 वर्षों की बात करें, तो सोने ने प्रतिवर्ष 14.7 प्रतिशत का लाभ दिया है। पिछले 10 वर्षों में सोने ने प्रति वर्ष 10.1 प्रतिशत और पिछले पांच वर्षों में प्रति वर्ष 12.8 प्रतिशत का लाभ दिया है।

संजय दत्त लंग कैंसर स्टेज थर्ड से जूझ रहे हैं

बीमारी की खबर सुनकर फैन्स ने मांगी सलामती की दुआ

संजय दत्त के फैंस के लिए एक परेशान कर देने वाली खबर सामने आ रही है, जी हां बताया जा रहा है अभिनेता फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे हैं और उन्हें तीसरे स्टेज के एडवांस कैंसर की शिकायत है। खबर है कि अभिनेता जल्द ही इलाज के लिए अमेरिका रवाना हो सकते हैं, हालांकि इस मामले में अब तक संजय दत्त की तरफ से कोई बयान नहीं आया है,मगर उनका परिवार कल इस बारे में शायद कुछ जानकारी दे सकता है। संजय दत्त को छाती में दर्द और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी जिसके बाद उन्हें 8 अगस्त को मुंबई के लीलावती अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। अस्पताल में पहले तो उनका कोविड-19 टेस्ट हुआ जिसकी रिपोर्ट्स नेगेटिव आई और दो दिन बाद संजय दत्त अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने घर आ गए थे। अस्पताल से वापस लौटने के बाद अभिनेता ने बताया अभी वो पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं और उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर उन्होंने बताया कि वो काम से कुछ वक्त के लिए ब्रेक ले रहे हैं। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये उन्होंने लिखा दोस्तों, मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए मैं शॉर्ट ब्रेक ले रहा हूं। मेरे दोस्त और परिवार के लोग मेरे साथ हैं और मैं चाहता हूं कि मेरे चाहने वाले परेशान न हों और बेकार की कयासबाजी भी न करें, आप लोगों के प्यार और दुआओं के साथ मैं जल्दी ही लौटूंगा। जैसे ही संजू बाबा को लेकर ये लेटेस्ट अपडेट आई और बताया गया संजय दत्त लंग कैंसर के स्टेज 3 से गुजर रहे हैं। तो बस यह खबर आग की तरह फैल गई और फैन्स उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना करने लगे। संजय दत्त के लिए दुआएं करते हुए फैन्स ने लिखा ज़िंदगी के कई हालातों से आप बाहर निकले हैं, इससे भी निकल आएंगे। आप इससे भी बाहर आ जाएंगे, आपके लिए प्रार्थना कर रही। जल्दी ठीक हो जाइए। वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त इस वक्त काफी बीजी हैं ऐसा इसलिए वो जल्द ही फिल्म सड़क 2 में वे आलिया भट्ट और आदित्य रॉय कपूर के साथ दिखाई देंगे। फिर कुछ समय बाद उनकी फिल्म टोरबाज और केजीफ पार्ट 2 भी रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वो अजय देवगन के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं।

केवल एक डिजिट का फर्क और रिया चक्रवर्ती का नंबर समझ पड़ने लगीं गालियां

एक युवक के साथ अजीब चीज हुई है। 32 साल के इस युवक ने लगभग 150 नंबरों को ब्लॉक किया है क्योंकि उन्हें गालियों और धमकी भरे फोन कॉल्स आ रहे हैं। दरअसल लोगों ने युवक के नंबर को गलती से रिया चक्रवर्ती का नंबर समझ लिया। रिया और इस युवक के नंबर में केवल एक डिजिट का फर्क है। इस युवक का नाम सागर सुर्वे है और यह एक एजूकेशनल इंस्टीट्यूट में क्लर्क है। मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, सागर सुर्वे के पास पिछले एक हफ्ते से धमकी भरे और गालियों वाले कॉल्स आ रहे थे। इसके बाद पहले तो उन्होंने 150 नंबरों को ब्लॉक किया लेकिन बाद में उन्हें अपना फोन स्विच ऑफ ही करना पड़ा। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत के पिता केके सिंह ने अपनी रिपोर्ट में रिया चक्रवर्ती को आत्महत्या के लिए उकसाने और धोखधड़ी करने का मुख्य आरोपी बनाया है। इसके बाद से रिया को भी सोशल मीडिया पर रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सागर ने बताया कि लोग उनके पास फोन करके रिया चक्रवर्ती के बारे में पूछते हैं। सागर के पास मेसेज, वॉइस कॉल और वीडियो कॉल के जरिए लोग धमकी भरे मेसेज करते हैं। जब लोगों को बताते हैं कि उन्हें गलतफहमी है कि यह रिया का नंबर है तो लोग उनसे उनकी तस्वीर मांगते हैं। सागर ने कहा कि पहले तो उन्होंने इन कॉल्स और मेसेजेस को इग्नोर किया लेकिन अगले 3 दिनों में स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। रिया चक्रवर्ती और सुशांत सिंह राजपूत अक्टूबर 2019 में यूरोप ट्रिप पर गए थे। सुशांत के साथ काम कर चुके गार्ड, कुक और उनके पीए अंकिता आचार्या तक बता चुके हैं कि यूरोप ट्रिप से लौटने के बाद सुशांत बदल गए थे। अब इस बारे में रिया का बयान भी सामने आया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, रिया ने अफसरों को बताया कि यूरोप ट्रिप के दौरान वे इटली में 600 साल पुराने होटल में रुके थे। होटल के कमरे काफी बड़े थे और इसकी दीवारों पर कुछ पुरानी पेंटिंग्स थीं। रिया ने बताया इनमें से एक पेंटिंग थी जिसमें सैटर्न (शनि) अपने ही बच्चे को खा रहा था। रिया अपने भाई शौविक के साथ दूसरे कमरे में थीं। जब वह लौटीं तो देखा सुशांत रुद्राक्ष लेकर कुछ मंत्रों का जाप कर रहे थे और काफी डरे हुए लग रहे थे। रिया ने जब उनसे पूछा कि क्या हुआ तो उन्होंने बताया कि पेंटिंग में उन्हें कैरक्टर्स दिख रहे हैं लेकिन वह ठीक तरह से इसे बता नहीं पा रहे थे। उस दिन रिया और शौविक सुशांत के साथ उसी कमरे में सो गए। रिया ने बताया कि सुशांत को पेंटिंग के बारे में भ्रम हो रहा था और उन्होंने किसी तरह से उन्हें समझाया कि यह सिर्फ भ्रम है और कुछ नहीं। इसके बाद सुशांत रिया के साथ ऑस्ट्रिया में डेटॉक्स सेंटर भी गए लेकिन सुशांत को वहां भी ठीक नहीं लग रहा था और चले आए। रिया ने बताया कि उन्हें 2 नवंबर को लौटना था लेकिन 28 अक्टूबर को ही लौट आए। रिया ने बताया कि इस ट्रिप से लौटने के बाद सुशांत की एनर्जी एकदम लो हो गई थी। वह घंटों चुपचाप बैठे रहते थे। मुंबई आने के बाद उनकी हालत और बिगड़ गई थी। वह कभी चिल्लाते तो कभी रोने लगते। बता दें कि सुशांत के पिता ने रिया चक्रवर्ती पर सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल पर रिया से ईडी की पूछताछ चल रही है। सुशांत के घरवालों का कहना है कि उन्हें सुशांत की किसी बीमारी के बारे में नहीं पता था और अगर कुछ था भी तो रिया को परिवार को जानकारी देनी चाहिए थी। दरअसल एक न्यूज चौनल ने सुशांत और रिया के कॉल रिकॉर्ड्स दिखाते समय रिया का नंबर भी दिखा दिया था। इसके बाद सागर के कजिन ने उन्हें बताया कि उनके और रिया के नंबर में केवल एक डिजिट का अंतर है। सागर ने पुलिस के पास शिकायत की तो पुलिस ने उन्हें दूसरा नंबर इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

रिया और श्रुति मोदी के साथ सुशांत के पिता की व्हाट्सएप चौट हुई वायरल,दोनों में से किसी ने नहीं बताया बेटे का हाल

अभिनेता सुशांत सिंह केस में अब रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इससे खुलासे कि वजह से मामला भी गहराता जा रहा है। हाल ही में जहां रिया चक्रवर्ती ने अपने बचाव के लिए सुशांत के साथ अपनी वॉट्सऐप चौट और ग्रैटिट्यूड नोट जारी कर खुद को सही साबित करने की कोशिश की तो अब वहीं एक बार फिर से सुशांत के पिता ने एक्ट्रेस के इरादों पर पानी फेर दिया है। जी हां दरअसल अब सुशांत के पिता केके सिंह के रिया चक्रवर्ती और श्रुति मोदी को भेजे वॉट्सऐप मेसेजेस सामने आए हैं और इन मेसेजेस से मालूम होता है कि सुशांत के पिता अपने बेटे से बात नहीं कर पाने की वजह से काफी दुखी थे। केके सिंह द्वारा भेजे गए ये मेसेजेस पिछले साल के हैं जब रिया सुशांत के साथ लिव-इन में रह रही थीं। तो आइये देखें, क्या हैं इन मेसेजेस में। हाल ही में सुशांत के पिता केके सिंह के वॉट्सऐप मैसेज सामने आए हैं जो उन्होंने रिया को 29 नवंबर 2019 को भेजे थे। केके सिंह के इन मैसेज से मालूम हुआ कि वह सुशांत की तबीयत को लेकर बहुत दुखी थे और उनकी बेटे से बात भी नहीं हो पा रही थी।सुशांत के पिता ने रिया को भेजे इस मेसेज में लिखा, जब तुम जान गई कि मैं सुशांत का पापा हूं तो बात क्यों नहीं की। आखिर बात क्या है? फ्रेंड बनकर उसका देखभाल और उसका इलाज करवा रही हो तो मेरा भी फर्ज बनता है कि सुशांत के बारे में सारी जानकारी मुझे रहे। इसलिए कॉल कर मुझे भी सारी जानकारी दो।

मलाइका अरोड़ा ने मलासन वाला पोज देकर फैन्स से मंगाई हैं ऐसी ही तस्वीरें, बताया-किन्हें करना है टैग

बॉलिवुड ऐक्ट्रेसेस की फिटनेस की जब भी चर्चा होती है, पहला नाम मलाइका अरोड़ा का आता है। मलाइका अपने काम के साथ-साथ योग, वर्कआउट आदि पर जमकर मेहनत करती हैं और ऐसा ही अपने फैन्स से भी करने के लिए अक्सर कहा करती हैं। इस पोस्ट में उन्होंने बताया भी है कि इस योगासन को कैसे करना है। उन्होंने एक-एक पॉइंट्स के साथ इस आसन को करने का तरीका भी बताया है। हालांकि, उन्होंने यह भी लिखा है कि यह पोज दिखने में काफी आसान लग रहा है, लेकिन इसे करने के लिए आपको स्टेबिलिटी और मन की शांति चाहिए। बता दें कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद मलाइका एक बार फिर से अपने काम पर लौट आई हैं और इंडिया बेस्ट डांसर शो में जज की भूमिका निभा रही हैं। रिऐलिटी टीवी शो को जज करने के लिए तैयार हुई मलाइका ने अपनी तस्वीर भी पोस्ट की थी।

सुशांत सिंह राजपूत के बहनोई ने की अंकिता लोखंडे और कृति सैनन पर खुलकर बात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वह अपने मुंबई वाले घर पर मृत पाए गए थे। एक्टर की मौत से जुड़ी कई बातें सामने आ रही हैं। इंटरनेट पर कॉन्ट्रोवर्सी चल रही है। हाल ही में एक्टर के बहनोई विशाल कीर्ति ने बयान दिया है। उन्होंने सुशांत की एक्स-गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे और कृति सैनन पर खुलकर बात की है। विशाल कहते हैं कि कई लेवल पर बात करना बेहद जरूरी है। सुशांत से शुरू करते हैं। कई लोग जानते हैं कि सुशांत ने छह साल अंकिता को डेट किया। दोनों का रिलेशनशिप अच्छा बीता। लोगों ने सुशांत और अंकिता समेत परिवार संग भी कई फोटोज़ देखीं। कई लोग सुशांत के परिवार के लोगों को जानते थे। मेरी पत्नी को भी, क्योंकि अंकिता संग वह लगातार टच में रहती थीं। विशाल आगे कहते हैं कि सुशांत ने अंकिता से ब्रेकअप के बाद शायद कृति सैनन को भी डेट किया। हालांकि, सुशांत ने कभी इसपर खुलकर बात नहीं की और न ही बताया कि वह कृति को डेट कर रहे हैं, हो सकता है कि वे दोनों अच्छे दोस्त हों। कृति से हम आखिरी बार जुलाई 2017 में मिले थे। हम सभी को कृति अच्छी लगी थीं। आपको बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत ने अंकिता लोखंडे संग लंबा समय गुजारा। एक्टर का पूरा परिवार अंकिता को जानता था।

ऐश्वर्या की बेटी आराध्या का हिंदी की ऑनलाइन क्लासेस लेते हुए वीडियो हुआ वायरल

टीचर को कहा- धन्यवाद मिस...

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन सहित बच्चन परिवार को कोरोना वायरस का संक्रमण हो गया था। हालांकि अब पूरा परिवार स्वस्थ है और कोरोना से फ्री है। इसी बीच सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में ऑनलाइन हिंदी क्लास लेती आराध्या नजर आई। बता दें कि हाल ही में कोरोना पॉजिटिव जया बच्चन को छोड़कर पूरा बच्चन परिवार पाया गया था। आराध्या अपनी पढ़ाई पर भी कोरोना वायरस महामारी के बीच बहुत ध्यान देती दिखाई दीं। इस वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि अपनी टीचर के साथ ऑनलाइन आराध्या पढ़ाई करती नजर आ रही हैं। इस दौरान एक कुत्ते की कहानी वह पढ़ते दिखाई दीं। इतना ही नहीं जब उनकी कहानी खत्म हुई तब अपनी टीचर को बेहद विनम्र भाव से धन्यवाद किया। अपनी हिंदी टीचर को वीडियो के आखिरी में श्धन्यवाद मिसश् कहती आराध्या नजर आ रही हैं। जैसे स्कूल जाते वक्त वह वैसे ही तैयार हुई। इस दौरान अपने सिर पर हेयर बैंड भी उन्होंने पहना हुआ था कर पॉनी चुटिया एक तरफ बांधी हुई थी। अब एक बार फिर से आराध्या अपने पूरे परिवार के साथ घर पर हैं। अभिषेक बच्चन को भी बीते शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी और अब वह घर पर आराम कर रहे हैं। पिछले 28 दिन बाद अभिषेक बच्चन अस्पताल से वापस अपने घर आए हैं। अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या की कोविड 19 पॉजिटिव की रिपोर्ट जुलाई महीने की शुरुआत में आई थी। अस्पताल में तुरंत अभिषेक और अमिताभ बच्चन को भर्ती किया गया था। जबकि घर में ही क्वारंटीन ऐश्वर्या और आराध्या को होने के लिए कहा गया था। लेकिन ऐश्वर्या की तबीयत एक दम खराब हुई जिसके बाद अस्पताल में उन्हें भर्ती किया गया। उसके बाद ऐश्वर्या और आराध्या को अस्पताल से एक हफ्ते बाद छुट्टी दे दी।

पछताओगे के फीमेल वर्जन में नजर आएंगी नोरा फतेही, सामने आया एक्ट्रेस का लुक

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल नोरा फतेही और विक्की कौशल का वीडियो सॉन्ग पछताओगे को बड़ी सफलता मिली थी। अब मेकर्स ने इस सॉन्ग को फीमेल वर्जन के साथ लाने फैसला किया, जो जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर आएगा। इस नए म्यूजिक वीडियो में नोरा फतेही नजर आएंगी। ओरिजनल ट्रैक के विपरीत, जहां टीम एक कहानी के माध्यम से भावनाओं और दिल टूटने को पकड़ती है, इस नए म्यूजिक वीडियो को नए अंदाज में कोरियोग्राफ किया गया है। वीडियो से नोरा के लुक को शेयर किया गया है, जिसमें वह काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो को क्रिएटिविटी के साथ शूट किया गया है। वीडियो में दिल टूटने की विषाक्तता को कोरियोग्राफी, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज के माध्यम से दिखाया गया है। पछताओगे के फीमेल वर्जन को एसेस कौर ने अपनी आवाज दी है और राजित देव ने कोरियोग्राफ और निर्देशित किया है। यह सॉन्ग 14 अगस्त को टी-सीरीज के चैनल पर जारी किया जाएगा। नोरा कहती हैं, मेरा ब्रांड नोरा फतेही के रूप में है।

अंकिता लोखंडे के घर आए दो नन्हे मेहमान फोटो शेयर कर जाहिर की अपनी खुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे एक्स बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत के निधन के चलते काफी दिनों से बहुत दुखी थीं, लेकिन अब उनके चेहरे पर खुशी आ गई हैं। इस खुशी का राज उन्होंने सोशल मीडिया पर जाहिर किया है। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो बच्चों के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में वह बेहद खुश नजर आ रही हैं। फोटो शेयर करने के साथ अंकिता ने बताया है कि उनके घर में दो नए मेंबर (ट्विन्स) आए हैं, जिनका नाम अबीर और अबीरा है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने यह नहीं बताया कि यह बच्चे किसके हैं। फोटो में वह ट्विन्स बच्चों को हाथों से पकड़े हुए दिख रही हैं। इस खास मौके पर अंकिता को सेलेब्स बधाइयां दे रहे हैं। इससे पहले अंकिता ने इंस्टाग्राम पर सुशांत की मां की फोटो शेयर की थी। फोटो शेयर करते हुए अंकिता ने लिखा, विश्वास है आप दोनों साथ हैं। अंकिता के इस पोस्ट पर सुशांत की बहन श्वेता ने कमेंट किया कि हां वो साथ ही हैं, लव यू बेबी, हिम्मत रखो। हमें तब तक लड़ना है जब तक की हमें इंसाफ नहीं मिल जाता। गौरतलब है कि सुशांत की मौत के मामले में पैसों से जुड़े लेन-देन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सोमवार को एक बार फिर से एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती से पूछताछ कर रही है। शनिवार को रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती से 18 घंटे तक पूछताछ हो चुकी है। वहीं, रिया चक्रवर्ती से भी ईडी ने तकरीबन आठ घंटों तक पूछताछ की थी और कई सवाल-जवाब किए थे।

क्या गुपचुप सगाई कर ली मौनी रॉय ने? वीडियो में डायमंड रिंग फ्लॉन्ट करती दिखीं

नागिन फेम एक्ट्रेस मौनी रॉय लंदन में इन दिनों रह रही हैं। दरअसल अपनी नई फिल्म की शूटिंग मौनी रॉय लंदन में कर रही हैं। वैसे तो अपने फैन्स से वह सोशल मीडिया के माध्यम से रूबरू हो रही हैं। आए दिन कुछ न कुछ अपने इंस्टाग्राम पर मौनी रॉय शेयर करती हैं। हाल ही में मौनी ने अपने इंस्टा पर नई स्टोरी शेयर की जिसके बाद सोशल मीडिया पर धमाका हो गया। एक इंस्टाग्राम फिल्टर हाल ही में टीवी एक्ट्रेस रौशनी चोपड़ा ने लॉन्च किया। उसे एक बार ट्राई मौनी रॉय ने किया। एक वीडियो मौनी ने इसके साथ बनाया और इंस्टा पर साझा किया। इस वीडियो जा सकता है कि एक बड़ी डायमंड वाली अंगूठी मौनी की रिंग फिंगर में नजर आ रही है। अब उनके फैन्स इस डायमंड रिंग को देखकर अंदाजा लगा रहे हैं कि लंदन में सीक्रेटली सगाई तो मौनी ने नहीं कर ली। अपनी इस अंगूठी को काफी मौनी रॉय वीडियो में फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। अब यह तो नहीं पता की मौनी ने सगाई की है या नहीं। टीवी के मशहूर शो देवों के देव महादेव फेम एक्टर मोहित रैना के साथ मौनी रॉय की अफेयर की बातें हुई थी। हालांकि कभी अपने रिश्ते को लेकर दोनों ने कुछ नहीं कहा। उसके बाद मीडिया में आई खबरों में कहा गया ब्रेकअप दोनों का हो गया। दोनों ने रिलेशन की तरह ब्रेकअप पर भी कुछ नहीं कहा। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि मौनी रॉय का अफेयर फिल्म ब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी संग चल रहा है। मौनी रॉय की वर्कफ्रंट की बात करें तो फिल्म ब्रह्मास्त्र में वह नजर आयंगी। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ मौनी भी दिखाई देंगी। एक अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में मौनी इन दिनों लंदन में हैं। मौनी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह कोरोना काल में शूटिंग को लेकर थोड़ा डरी हुई हैं।

बिग बॉस के 14वें सीजन का रिलीज हुआ पहला प्रोमो वीडियो

टीवी का मशहूर शो बिग बॉस के 14वें सीजन का पहला प्रोमो जारी हो गया है। कलर्स चौनल ने अपने ट्विटर पर इसका प्रोमो रिलीज करके दर्शकों को जानकारी दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि कभी खेती सलमान खान दिख रहे हैं। जबकि वह वीडियो में अपने पुराने अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। सलमान खान वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं कि, लॉकडाउन लाया नॉर्मल लाइफ में स्पीडब्रेकर, इसलिए उगा रहा हूं चावल और चला रहा हूं ट्रैक्टर, पर अब सीन पलटेगा। सोशल मीडिया में खूब बिग बॉस 14 का यह प्रोमो वीडियो जमकर आ रहा है। इतना ही नहीं इसपर दर्शक अपने रिएक्शंस दे रहे हैं। कलर्स टीवी ने इस प्रोमो वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, अब पलटेगा सीन, क्योंकि बिग बॉस देगा 2020 को जवाब, बिग बॉस 14 जल्द लौट रहा है। बिग बॉस 14 को लेकर आए दिन सोशल मीडिया पर खबरें आती रहती हैं।

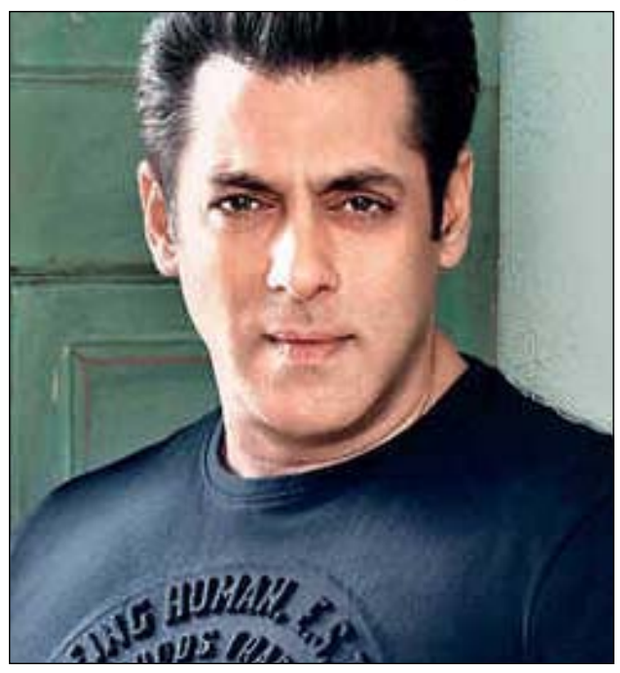

इसी बीच एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन को लेकर यह खबरें सामने आई थी कि उन्होंने बिग बॉस 14 के लिए हां कह दी है। साथ ही शो की पहली कंटेस्टेंट भी वह बन गयीं हैं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि इसको लेकर नहीं आई है। बिग बॉस 14 का प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया है। लेकिन बिग बॉस 14 के टेलीकास्ट को लेकर अभी तक को खबर सामने नहीं आई।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।